+91 7014373732
marudharnews.com
info@marudharnews.com

खबरों और विज्ञापन हेतु संपर्क करें

हिन्दुस्तान की नई आवाज

मरूधर हिन्द

मरूधर हिन्द अब एक नए अंदाज में

CIN NO.- U74999RJ2020PTC067985
UN NO.- RJ02D0022186

वर्ष : 03 | अंक : 155 | जयपुर, शुक्रवार 08 जून 2022 | कुल पेज : 6

VISHWAS Neuro Psychiatric Hospital

"क्योंकि ये करते है हमारे अपनो की हिफाजत"

वही विश्वसनीय ईलाज, एक नई जगर पर

डॉ. सुमित मित्तल

M.D., FIAPP, MIPS
Consultant Neuro Psychiatrist
मस्तिष्क, मानसिक, सेक्स रोग एवं नशा मुक्ति विशेषज्ञ

निम्न रोगी अपने ईलाज के लिए सम्पर्क करें :-

- सरदर्द, माईग्रेन
- नसों का दर्द
- बेहोश हो जाना
- उदासी (डिप्रेशन)
- सेक्स सम्बंधी समस्याऐं
- मिर्गी के दौरे आना
- आत्महत्या के विचार आना
- नींद न आना अथवा नींद में चलना
- किसी प्रकार का नशा जैसे तम्बाकू, चरस, गांजा आदि का सेवन करना

नया पता : 276, स्कीम नं. 2, अलवर मो. 7665412062

डॉ. सुमित मित्तल

मण्डलायुक्त, ने मार्गों का निरीक्षण कर दिए निर्देश

प्रयागराज (ब्यूरो)। मण्डलायुक्त संजय गोयल, आईजी राकेश सिंह, जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय गुरुवार को कावंड़ यात्रा के मार्गों का भ्रमण कर निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं कावंड़ यात्रा से संबंधित व्यवस्थाओं के बारे में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। मण्डलायुक्त ने दशाश्वमेध घाट पर पार्किंग, घाट के समतलीकरण, साफ-सफाई एवं मोबाइल टॉयलेट सहित अन्य व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने शास्त्री ब्रिज पर उतरने एवं चढ़ने के मार्ग पर प्रकाश, साफ-सफाई एवं साइनेज लगाने का भी निर्देश दिया है। अंदावा चौराहा पर पीएस सिस्टम, लाइट, साइनेज, एम्बुलेंस तथा प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

तेलंगाना में पीएफआई के तीन कार्यकर्ता गिरफ्तार

हैदराबाद, (एजेंसी)। तेलंगाना के निजामाबाद जिले से पुलिस ने कथित तौर पर मुस्लिम पुरुषों को अन्य समुदायों के लोगों को निशाना बनाने के लिए प्रशिक्षण देने के आरोप में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के तीन कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि तीनों कार्यकर्ताओं को बुधवार को गिरफ्तार किया था और उन पर धार्मिक उन्माद पैदा करने तथा दोनों समुदाय के बीच वैमनस्य फैलाने का प्रयास करने के आरोप में गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में शाहदुल्ला (40), मोहम्मद इमरान (22) और अब्दुल मोबिन (27) हैं। सभी निजामाबाद शहर के रहने वाले हैं। तीनों को शादुल्ला के घर से गिरफ्तार किया गया है और वे पीएफआई के 52 वर्षीय कार्यकर्ता अब्दुल खादर का अनुसरण करते हैं, जो चुनिंदा मुस्लिम युवाओं को मार्शल आर्ट और हथियारों का प्रशिक्षण देता है।

आज का इतिहास

- 1497 : वास्को डी गामा समुद्र के रास्ते भारत पहुंचने के लिए यूरोप से रवाना हुए।
- 1693 : अमेरिका में न्यूयॉर्क पुलिस की वर्दी को मंजूरी दी गई।
- 1792 : फ्रांस ने प्रशिया पर युद्ध की घोषणा की।
- 1833 : रूस और तुर्की ने सुरक्षा संधि पर हस्ताक्षर किये।
- 1858 : ग्वालियर के किले के पतन के बाद लॉर्ड केनिंग ने शांति की घोषणा की।
- 1889 : अमेरिकी अखबार द वॉल स्ट्रीट जर्नल का प्रकाशन शुरू हुआ।
- 1914 : पश्चिम बंगाल में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री और वामपंथी राजनीति के आधार रहे ज्योति बसु का जन्म।
- 1918 : भारतीय संविधान में सुधार के लिए मांटेग्यु चेम्सफोर्ड रपट प्रकाशित की गई।

पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला ने दी आदेश को चुनौती

दिल्ली हाईकोर्ट ने सीबीआई को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आय से अधिक संपत्ति मामले में दोषी ठहराए जाने के खिलाफ हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला की अपील पर दिल्ली हाईकोर्ट ने सीबीआई को नोटिस जारी किया है। दरअसल, ओम प्रकाश चौटाला ने सीबीआई की विशेष अदालत के आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। साथ ही 4 साल की जेल की सजा को निलंबित करने की भी मांग की है।

बता दें कि बीते 27 मई को आय से अधिक संपत्ति मामले में ओम प्रकाश चौटाला की सजा पर फैसला हुआ था। दिल्ली की स्पेशल सीबीआई अदालत ने आय से अधिक संपत्ति मामले में दोषी करार दिए गए हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला को 4 साल की सजा सुनाई और पचास लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया था। इतना ही नहीं, कोर्ट ने चौटाला की चार संपत्तियों को भी जब्त करने का आदेश दिया था।

कोर्ट ने फैसला रख लिया सुरक्षित: अदालत ने कोर्ट रूम से ही ओम प्रकाश चौटाला को हिरासत में लेने का आदेश दिया था। इस तरह चौटाला कोर्ट से सीधे जेल गए थे। चौटाला की तरफ से इस मामले में अपील फाइल करने के लिए 10 दिन का समय मांगा गया था, इस पर जज ने कहा था कि आप हाईकोर्ट जाइए। बता दें कि गुरुवार को सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया।

क्या है मामला?

दरअसल, विशेष न्यायाधीश विकास ढुल ने वर्ष 1993 से 2006 के दौरान आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के दोषी करार दिए गए ओपी चौटाला और सीबीआई के वकीलों की गुरुवार को सजा पर बहस सुनी थी। ओपी चौटाला ने बहस के दौरान बुढ़ापे और चिकित्सा आधार पर कम से कम सजा देने का अनुरोध किया था। वहीं, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अधिकतम सजा देने का अनुरोध करते हुए कहा था कि इससे समाज में संदेश जाएगा। एजेंसी ने कहा था कि चौटाला का बेदाग इतिहास नहीं है और यह दूसरा मामला है जिसमें उन्हें दोषी करार दिया गया है।

कन्हैयालाल टेलर मर्डर केस: रियाज अत्तारी एवं गौस मोहम्मद के घर पहुंची एनआईए की टीम

जब्त किए अहम सबूत

उदयपुर, (एजेंसी)। टेलर कन्हैयालाल हत्याकांड की जांच में जुटी एनआईए की टीम ने गुरुवार को अलसुबह मुख्य आरोपी रियाज अत्तारी और गौस मोहम्मद के घरों पर दबिश दी। एनआईए की टीम को वहां कई अहम सुराग मिले हैं। एनआईए की टीम ने रियाज अत्तारी और गौस मोहम्मद के घर से कई तरह की सामग्री जब्त की है। इनमें कुछ सिम कार्ड और दस्तावेज बताये जा रहे हैं। कन्हैयालाल की नृशंस हत्या करके फरार हुए इन दोनों आरोपियों को पुलिस ने कुछ घंटों के बाद ही उदयपुर संभाग के राजसमंद जिले के भीम इलाके से गिरफ्तार किया था।

कन्हैयालाल मर्डर केस की जांच कर रही एनआईए की टीम गुरुवार को सुबह रियाज अत्तारी और गौस मोहम्मद के घर दबिश देने के बाद घटनास्थल पर पहुंची। एनआईए की टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया। भूतमहल गली की विडियोग्राफी की। उसके बाद कन्हैयालाल की दुकान भी खोलकर वहां की स्थिति देखी। घटना के समय दुकान में कौन कहां खड़ा था यह समझने की कोशिश। एनआईए की टीम करीब 10 मिनट वहां पर रही।

सभी पहलुओं की बारीकी से जांच कर रही है जांच एजेंसी

अब तक मुख्य आरोपी रियाज अत्तारी और गौस मोहम्मद समेत सात आरोपियों को पकड़ा जा चुका है। इनमें रियाज और गौस के अलावा मोहसिन, आसिफ, मोहम्मद मोहसिन, वसीम अली और मुन्नवर हुसैन शामिल है। मुन्नवर हुसैन को हैदराबाद से पकड़ा गया है। एनआईए के अधिकारी उनसे पूछताछ में जुटे हैं। एनआईए इस मामले में सभी पहलुओं की बारिकी से जांच कर रही है। इस घटना के तार-तार कहां-कहां जुड़े हो सकती हैं उन सभी संभावनाओं के आधार पर एनआईए अपनी जांच को आगे बढ़ा रही है।

इंटरनेट से पाबंदी हटी, धारा 144 जारी

कन्हैयालाल मर्डर केस की जांच में राजस्थान एटीएस एनआईए का सहयोग कर रही है, वहीं इस घटना के बाद राजस्थान में फैला तनाव अब कम होने लग गया है। हालांकि प्रदेशभर में इस घटना के बाद इंटरनेट पर लगाई गई पाबंदिया पूरी तरह से हटा ली गई हैं लेकिन धारा-144 अभी लागू है। उदयपुर शहर समेत सभी प्रदेश के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किये हुये हैं। उदयपुर में लगाये गये कर्फ्यू की ढील की समय सीमा भी लगातार बढ़ाई जा रही है।

सुदृढ़ कानून-व्यवस्था के दृष्टिगत मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए दिए दिशा-निर्देश

सीएम योगी ने कहा कि हर पर्व शांति एवं सौहार्द के बीच संपन्न हो

लखनऊ, (ब्यूरो)। आगामी 14 जुलाई से पवित्र श्रावण मास प्रारंभ हो रहा है। 26 जुलाई को श्रावण शिवरात्रि का विशेष अवसर है। श्रावण मास में परंपरागत कांवड़ यात्रा निकलेगी। इसमें सोमवार पूजन का भी विशेष महत्व है। 31 जुलाई से श्रावण पूर्णिमा तक अयोध्या का सावन मेला भी शुरू होगा। नागपंचमी और रक्षाबंधन का भी पर्व है। इससे पूर्व बकरीद का पर्व है। इसी बीच मुहर्रम का महीना भी शुरू होगा। स्पष्ट है कि कानून-व्यवस्था के दृष्टिगत यह समय संवेदनशील है। अतः हमें सतत सतर्क-सावधान रहना होगा। यह निर्देश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अधिकारियों को दिए।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर पर्व शांति और सौहार्द के बीच संपन्न हों, इसके लिए स्थानीय जरूरतों को देखते हुए सभी जरूरी प्रयास किए जाएं। शरारतपूर्ण बयान जारी करने वालों के साथ जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ कढ़ाई से पेश आएं। माहौल खराब करने की कोशिश करने वाले अराजक तत्वों के साथ पूरी कठोरता की जाए। ऐसे लोगों के लिए सभ्य समाज में कोई स्थान नहीं होना चाहिए। पर्व-त्योहार में शासन द्वारा सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। धार्मिक परंपरा/आस्था को सम्मान दें। किंतु नई परंपरा न शुरू हो। आयोजकों को अनुमति देने से पूर्व उनसे शांति और सौहार्द सुनिश्चित करने के संबंध में स्पष्ट शपथ पत्र लिया जाए। विगत दिनों रमजान माह में अलविदा की नमाज और ईद के अवसर पर धार्मिक कार्यों से यातायात प्रभावित नहीं हुआ। कई जनपदों में स्थान का अभाव होने पर बेहतर समन्वय के साथ शिफ्ट वार नमाज अदा हुई। इस प्रयास की पूरे देश में सराहना हुई है। इस बार बकरीद के मौके पर हमें यही व्यवस्था लागू रखनी होगी।

उप राज्यपाल का दौरा

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को श्रीनगर में दरगाह हजरतबल दरगाह का दौरा कर ईद-उल-जुहा के शुभ अवसर पर की जा रही व्यवस्थाओं की समीक्षा की, साथ ही जम्मू-कश्मीर के लोगों के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की।

राजस्थान की डॉ. बीना मीणा नासा में बनीं साइंटिस्ट

दौसा, (एजेंसी)। राजस्थान के दौसा की बेटी डॉ. बीना मीणा नासा में साइंटिस्ट बन गई हैं। सिकराय उपखंड के कोरड़ा कलां की बेटी डॉ. बीना का अमरीका के अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र नासा में वैज्ञानिक पद पर चयन हुआ है। नासा में उनके चयन के बाद उनके गांव सहित आस-पास के इलाकों में खुशी का माहौल है। डॉ. बीना गुमानपुरा पंचायत में कोरड़ा कंला गांव के नारायण लाल मीणा की बेटी हैं। जानकारी के मुताबिक डॉ बीना मीणा ने अमेरिका के जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी एटलांटा से 2018-22 में डिपार्टमेंट ऑफ फिजिक्स एंड एस्ट्रोनॉमी में अपनी पीएचडी पूरी की।

इनके रिसर्च में फील्ड अनुसंधान क्षेत्र में सक्रिय आकाश गंगाओं के सुपरमैसिव ब्लैक होल, बहिर्वाह और घूर्णी गतिज विज्ञान शामिल था। साथ ही डॉ. बीना ने हबल स्पेस टेलीस्कॉप पर अपाचे पॉइंट ऑब्जर्वेटरी और स्पेस टेलीस्कॉप इमेजिंग स्पेक्ट्रोग्राफ (एसटीआईएस) में दोहरी इमेजिंग स्पेक्ट्रोग्राफ (डीआईएस) से स्पेक्ट्रोस्कोपिक अवलोकन पर भी काम किया है।

सुनीता विलियम्स, कल्पना चावला थीं आइडल

डॉ. बीना अब सितंबर से नासा में साइंटिस्ट के रूप में अपनी सेवाएं देंगी। बताते हैं कि वे बचपन से ही सुनीता विलियम्स और कल्पना चावला की तरह अंतरिक्ष में सफर करने का सपना देखती थी, जो अब हकीकत में बदलने जा रहा है। दौसा जिले के छोटे से गांव कोरड़ा कलां (गुमानपुरा) के सामान्य परिवार की डॉ. बीना के पिता नारायण लाल मीणा अब रिटायर्ड हो चुके हैं। उनकी माता साक्षर गृहणी हैं। बीना ने दसवीं की पढ़ाई जयपुर के एक निजी स्कूल से की। फिर 12वीं की पढ़ाई झालाना में पूरी की है। बीना ने अजमेर के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशंस इंजीनियरिंग में बीटेक किया। फिर इंजीनियरिंग में ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट (गेट) में 96 प्रतिशत मार्क्स से उतीर्ण हुई। इसके बाद आईआईटी दिल्ली से ऑप्टो- इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑप्टिकल संचार विषय में एम टेक किया तथा अमेरिका के जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी से मास्टर ऑफ साइंस इन फिजिक्स विषय में पूरा किया।

मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद मामले में कोर्ट ने सुनी दलीलें

अब अगली सुनवाई 11 जुलाई को होगी

मथुरा, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद मामले में 11 जुलाई को सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में सुनवाई होगी। दरअसल, 13.37 एकड़ भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने को लेकर सिविल जज सीनियर डिविजन की अदालत में याचिकाकर्ता महेंद्र प्रताप सिंह की याचिका पर गुरुवार को सुनवाई हुई। हिंदू और मुस्लिम पक्ष के अधिवक्ताओं ने न्यायालय के सामने अपनी- अपनी दलीलें रखी। इस दौरान हिंदू पक्ष ने मुस्लिम पक्ष के सीपीसी 7/11 के तहत दायर किए प्रार्थना पत्र पर अपना ऑब्जेक्शन दाखिल किया। दोपहर करीब 1.30 बजे हिंदू पक्ष द्वारा मुस्लिम पक्ष के प्रार्थना पत्र पर अपना ऑब्जेक्शन दाखिल किया गया और इसकी एक कॉपी प्रतिवादी पक्ष यानी मुस्लिम पक्ष को दी गई।

सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में हिंदू और मुस्लिम पक्ष के अधिवक्ताओं में बहस हुई और दोनों पक्ष के अधिवक्ताओं ने न्यायालय के सामने अपनी अपनी दलीलें रखी। इस दौरान हिंदू पक्ष के अधिवक्ता का कहना था कि पूर्व में केस के मेंटेनेबल और नॉन मेंटेनेबल को लेकर जिला न्यायालय में सुनवाई हो चुकी है। जहां जिला जज की अदालत मामले को खारिज कर चुकी है और केस को मेंटेनेबल माना गया है, वहीं मुस्लिम पक्ष द्वारा सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत से अनुरोध किया गया कि हिंदू पक्ष द्वारा दायर किए गए ऑब्जेक्शन की कॉपी उन्हें अभी मिली है।

उत्तर मध्य रेलवे की सभी उपलब्धियों का श्रेय कर्मचारियों को है : महाप्रबंधक

उत्तर मध्य रेलवे मेंस यूनियन के साथ स्थायी वार्ता तंत्र की बैठक समाप्त

प्रयागराज (ब्यूरो)। उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय कार्यालय में आयोजित उत्तर मध्य रेलवे मेंस यूनियन (एनसीआरएमयू) के साथ दो दिवसीय स्थायी वार्ता तंत्र (पीएनएम) की बैठक गुरुवार को समाप्त हुई। बैठक की शुरुआत में सभी अधिकारियों और एनसीआरएमयू के प्रतिनिधियों ने अपना परिचय दिया और मुख्य कार्मिक अधिकारी अवधेश कुमार ने बताया कि दो दिवसीय बैठक के दौरान कर्मचारियों के कल्याण, अनुकंपा के आधार पर नियुक्तियों, तबादलों, स्वास्थ्य सुविधाओं और अन्य स्टाफ सुविधाओं से संबंधित एजेंडा आइटम पर चर्चा हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए, उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक प्रमोद कुमार ने कहा कि उत्तर मध्य रेलवे भारतीय रेलवे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो देश के उत्तरी भाग को दक्षिण और पूर्व से जोड़ता है। उन्होंने आगे कहा कि कोविड के कठिन समय के बावजूद, उत्तर मध्य रेलवे ने पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान चौतरफा उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने वर्ष के दौरान हासिल किए गए कई सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने इन उपलब्धियों का श्रेय रेलवे कर्मियों के समर्पण और प्रतिबद्धता को दिया। इसके लिए मैं आपके माध्यम से सभी मेहनती और ईमानदार रेलवे कर्मचारियों को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने आगे कहा कि उत्तर मध्य रेलवे मेंस यूनियन ने हमेशा रेलवे प्रशासन का समर्थन किया है और रेलवे के सुचारू संचालन में सकारात्मक भागीदारी रही है। मैं उत्तर मध्य रेलवे मेंस यूनियन के इस सहयोग की सराहना करता हूं और यह भी आशा करता हूं कि ऐसा सक्रिय सहयोग जारी रहेगा भविष्य में भी।

सियासत — गवर्नर बोले- बंगाल के लोग चुप्पी तोड़ें, आखिरी सांस ले रहा लोकतंत्र

राज्यपाल धनखड़ ने लगाए ममता सरकार पर गंभीर आरोप

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने भाजपा द्वारा आयोजित श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जयंती कार्यक्रम में ममता बनर्जी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मैं बंगाल के बुद्धिजीवियों से अपील करता हूं कि वे चुप न रहें, उन्हें हमारे पास मौजूद लोकतांत्रिक मूल्यों के हो रहे क्षय पर चुप्पी तोड़नी चाहिए। राज्य में लोकतंत्र आखिरी सांस ले रहा है।

कार्यक्रम में बोलते हुए पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारत मां के इस महान सपूत (डॉ. श्यामप्रसाद मुखर्जी) के महान प्रयासों से विभाजन के समय जो खतरा था, उसे बेअसर किया जा सकता है। अब खतरे मंडरा रहे हैं और उनके प्रयासों से हमें जो विरासत मिली है, उसे कई क्षेत्रों से खतरे में डाला जा रहा है। लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा अत्यधिक तुष्टीकरण और सांप्रदायिक संरक्षण है, इसे हम होने नहीं दे सकते। कार्यक्रम का आयोजन भाजपा द्वारा कोलकाता में रेड रोड पर किया गया था और इसमें पार्टी की राज्य इकाई के वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया था, जिसमें राज्य भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी और भाजपा विधायक दल के मुख्य सचेतक मनोज तिग्गा आदि शामिल थे।

बंगाल के बुद्धिजीवियों से अपील, वे चुप न रहें

धनखड़ ने कहा कि आज मैं बंगाली बुद्धिजीवियों से अपील करता हूं कि वे चुप न रहें। उन्हें हमारे पास मौजूद लोकतांत्रिक मूल्यों के क्षय की चुप्पी तोड़नी चाहिए। हम मानवाधिकारों के उल्लंघन की प्रयोगशाला बन गए हैं। हम इस राज्य को अनुमति नहीं दे सकते, जहां लोकतंत्र आखिरी सांस ले रहा है। गौरतलब है कि जुलाई 2019 में धनखड़ को राज्यपाल नियुक्त किए जाने के बाद से ही उनका टीएमसी सरकार के साथ कटु संबंध जगजाहिर हैं। हाल के दिनों में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्यपाल को ट्विटर पर अनफॉलो भी किया था। इस साल जून में पश्चिम बंगाल विधानसभा ने राज्यपाल की जगह 17 राज्य संचालित विश्वविद्यालयों के मुख्यमंत्री को चांसलर बनाने की मांग करते हुए एक विधेयक पारित किया था।

मुझे संविधान और कानून की रक्षा करनी है: धनखड़: धनखड़ ने कहा कि मैं लोकतंत्र को नष्ट नहीं होने दूंगा। यह मेरी संवैधानिक शपथ है और मुझे संविधान और कानून की रक्षा करनी है। पिछले तीन वर्षों में बहुत ठोस चीजें हुई हैं।

टीएमसी के राज्यपाल पर आरोप

टीएमसी हमेशा राज्यपाल धनखड़ पर भाजपा का मुखपत्र होने का आरोप लगाती रही है। टीएमसी ने पलटवार करते हुए कहा कि बंगाली बुद्धिजीवियों को राज्यपाल के पद को समाप्त करने की मांग करनी चाहिए। टीएमसी सांसद सौगत राय ने कहा कि मैंने सुना है कि राज्यपाल ने बंगाली बुद्धिजीवियों से अपील की। मैं भी उनसे राज्यपाल के पद को समाप्त करने की मांग उठाने की अपील करूंगा। राज्यपाल एक सफेद हाथी है जो राजभवन में रह रहा है, भोजन कर रहा है और करदाता के पैसे का उपयोग करके राज्य का दौरा कर रहा है। बंगाल के लोगों को यह बर्दाश्त नहीं करना चाहिए कि एक मनोनीत मुखिया राज्य में एक चुनी हुई सरकार के खिलाफ जहर उगले।

समारोह पूर्वक 106 स्काउट एवं गाइड को राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया

मरूधर हिन्द

कठूमर। दिनेश लेखी। उपखंड़ के यूनिक उच्च माध्यमिक विधालय में समारोह पूर्वक 106 स्काउट एवं गाइड को राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अलवर जिले के बहरोड़ स्थानीय संघ स्काउट गाइड कमिश्नर व मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी शशि कपूर ने बताया कि अलवर जिले में एक सत्र में सर्वाधिक छात्र छात्राओं को स्काउट गाइड गतिविधि में राज्यपाल सम्मान मिलना गर्व की बात है। उन्होने प्रशंसा करते हुये कहा इस उपलब्धी में सर्वाधिक योगदान स्थानीय संघ के सह सचिव प्रवीण कुमार यादव,संयुक्त सचिव रेणुका यादव,प्रधान घनश्याम यादव ,सतपाल,संतलाल जी,धर्मवीर यादव सहित पूरी टीम का रहा है। वही यूनिक उच्च माध्यमिक विद्यालय बहरोड़ के डायरेक्टर सुमित यादव के साथ में एक भव्य आयोजन किया गया जिसमे प्रत्येक बच्चे का फूल माला से स्वागत किया गया साथ में प्रमाण पत्र और प्रतीक चिंह दिया गया । इस अवसर पर 21 गाइड और 85 स्काउट को सम्मानित किया गया। वही साथ ही रोवर रेंजर्स को भी सम्मानित किया गया जिन्हे निपुण बैज प्राप्त कर लिया है। इस अवसर पर स्थानीय संघ बहरोड़ के इस राज्य पुरस्कार समारोह में कल्पना शर्मा जिला संगठन आयुक्त गाइड और प्रमोद शर्मा जिला संगठन आयुक्त स्काउट मुख्य अतिथि थे वही डी टी सी छगनलाल वर्मा, दिनेश जी ए एल टी, राम प्रताप जी ए एल टी ,जमाल ए एल टी , आर पी एस डायरेक्टर डॉक्टर सरिता वी सिंह,प्रधानाचार्य कमलेश यादव,रामकला यादव,होशियार सिंह,सुरेंद्र यादव,सविता यादव,सुमन यादव ,शिल्पी यादव, शरीक हुये। वही स्थानीय संघ की संयुक्त सचिव व बालिका विद्यालय जखराना की शारीरिक शिक्षक रेणुका यादव ने बताया कि पहली बार इस विद्यालय 8 छात्राओं को ये सम्मान मिला है।राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय रिवाली की 5 छात्राएं , एवम 8आर पी एस इंटरनेशनल स्कूल की गाइड को भी सम्मान मिला और अब अपने सेवा कार्य से अगला पड़ाव राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त करना है।

ग्राम मसारी में बैठक का आयोजन कर सुण्डियाना में किया पौधारोपण कार्यक्रम

मरूधर हिन्द

कठूमर। दिनेश लेखी। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा अलवर दक्षिण के जिला अध्यक्ष गोवर्धन सिंह सिसोदिया के नेतृत्व में कठूमर विधानसभा के ग्राम सुंडियाना में पौधारोपण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। साथ ही मंडल कठूमर के ग्राम मसारी में मंडल की बैठक का आयोजन किया गया। मंडल अध्यक्ष ने बताया कि किसानों की कर्ज माफी के बाधा खिलाफी के विरोध में हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम की शुरुआत की गई। एवं पौधारोपण कार्यक्रम मंदिर प्रांगण में किया गया। जिसमें जिला अध्यक्ष द्वारा कांग्रेस सरकार द्वारा 3 वर्ष पूर्व किए वादे को याद दिलाया और कहा कि आज किसान कर्ज के नीचे दबा हुआ है। लोगों से झूठा वादा करके आज बैंक उनके खेतों को नीलामी कर रही है। और कई किसान अपनी जान दे रहे हैं तहसील सरकार का त्यागपत्र दे देना चाहिए । इसके साथ ही खुंडियाना के ग्राम टिटपुरी में स्थित बेनामी संत आश्रम पर बरगद के पेड़ लगाकर एक व्यक्ति एक पेड़ लगाए ऐसा आव्हान किया गया। कार्यक्रमों में जिला महामंत्री योगेंद्र सिंह चौधरी, जिला मंत्री सतीश पाराशर, जिला सोशल मीडिया सह प्रभारी अभिषेक कुमावत, भनोखर मंडल किसान मोर्चा अध्यक्ष विजय सिंह सोलंकी ,किसान मोर्चा कठूमर मंडल अध्यक्ष बृजेश चौधरी, कठूमर मंडल अध्यक्ष सुनील बजाज,किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष शेखर शर्मा,चुन्नीलाल, रामवीर नरूका,रामावतार कुमावत जी मोहन सिंह ,मोरध्वज,सतीश भाटी एवं सैकड़ों कार्यकर्ता एवं किसान भाई उपस्थित रहे।

जिला प्रमुख जगतसिंह का दौरा 11 व 12 जुलाई को ,तैयारियों के लिए बैठक आयोजित

मरूधर हिंद आमिर खान कामां

कामां-कामां क्षेत्र के पूर्व विधायक व वर्तमान जिला प्रमुख जगत सिंह ग्यारह व बारह जुलाई को दो दिवसीय कामाम क्षेत्र के दौरे पर रहेंगे7 जिला प्रमुख जगतसिंह के प्रस्तावित कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए उनके समर्थकों ने गुरुवार को वरिष्ठ भाजपा नेता पंडित हरिप्रसाद की अध्यक्षता में बैठक आयोजित कर तैयारियों को अंतिम रूप दिया7 कामां पंचायत समिति पूर्व सरपंच संघ अध्यक्ष राजेश गुर्जर अकबरपुर ने बताया कि ग्यारह जुलाई को जिला प्रमुख जगतसिंह दोपहर को तीन बजे गांव बौलखेड़ा,साढे चार बजे गांव बरौलीधाऊ व शाम छह बजे गांव गुरीरा में जनसुनवाई करेंगे जिला प्रमुख के कामा आगमन से पूर्व दोपहर दो बजे घाटा सीमा पर डीजे के साथ भव्य स्वागत किया जाएगा पचास गाड़ियों के काफिले व बाईक रैली के साथ उन्हें गांव बौलखेड़ा स्थित कार्यक्रम स्थल तक ले जाया जाएगा जहां उनका बैंड बाजों के साथ स्वागत किया जाएगा इसके बाद गांव बरौलीधाऊ व गांव गुरीरा में भी जनसुनवाई के कार्यक्रम आयोजित होंगा7 राजेश गुर्जर ने बताया कि बारह जुलाई को जिला प्रमुख जगत सिंह कामा पंचायत समिति का निरीक्षण कर सुबह दस बजे से कामां पंचायत समिति परिसर मे ही जनसुनवाई करेंगे7 बैठक में पंडित टेकचंद शर्मा,अली हुसैन, हरीश चंद्र शर्मा,अनूप चौधरी, भीम प्रधान, गंगाराम सरपंच,फतेह राम बरौलीधाऊ, हुकम सतवास,अयूब खॉन, चौधरी रत्ती सिंह नंगला जालिम ,बलराम नेता कुलवाना सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

दुधेरी गांव में संगीत मय श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ महोत्सव का होगा आयोजन

मरूधर हिन्द

कठूमर ।दिनेश लेखी। उपखंड क्षेत्र के गांव दुधेरी में आठ जुलाई शुक्रवार को जगत जननी जगदंबा मातेश्वरी दुर्गा माता मंदिर पर संगीत मय श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार उपखंड क्षेत्र के गांव दुधेरी में शुक्रवार 8 जुलाई मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा होगी। वही नौ जुलाई को कलश यात्रा, श्रीमद् भागवत महापुराण प्रारंभ होगी। प्राण प्रतिष्ठा आचार्य पंडित ब्रजेश लवानिया होगें। वही पंडित बालकृष्ण चतुर्वेदी कथा वाचन करेगें। भागवत महापुराण का स्थान जगत जननी जगदंबा मातेश्वरी दुर्गा माता मंदिर दुधेरी में आयोजित किया जाएगा।

उदयपुर हत्याकांड विरोध में मुंडावर बंदः व्यापार मंडल ने निकाला मौन जुलूस, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मरुधर हिन्द/ हवासिंह चौधरी

मुंडावर। उदयपुर में टेलर कन्हैयालाल की निर्मम हत्या का विरोध अलवर में थमा नहीं है गुरुवार को मुंडावर में पूरा बाजार बंद रखा गया व्यापार मंडल अध्यक्ष बुधराम गुप्ता के नेतृत्व में सर्व समाज के जरिए बंद का आह्वान किया गया उसी अनुसार गुरुवार सुबह से पूरा बाजार बंद है आमजन ने हत्या के आरोपियों के प्रति गुस्सा जाहिर किया वहीं सरकार से मांग रखी कि दोषियों को जल्दी से जल्दी फांसी दी जाए इसके एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया विधायक मनजीत चौधरी ने कहा कि इस तरह के कृत्य करने वाले दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए इस दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष महा सिंह चौधरी, प्रधान सुनीत महेश गुप्ता, एडवोकेटेड सुरेश चंद ,सुनील कौशिक ,चेलाराम रोघा ,भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय सांवरिया ,भवानी सहाय,विजेंद्र जांगिड़ ,सरपंच संघ अध्यक्ष दिलीप यादव सोनू भारद्वाज, संतोष गोस्वामी ,अजीत सिंह सहित अनेक व्यापारी मंडल के सदस्य ग्रामीण उपस्थित रहे

ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई, ग्रामीणों की सुनी परिवेदनाएं, किया समाधान

जनसुनवाई के दौरान तहसीलदार ने ग्रामीणों की सुनी परिवेदनायें

मरूधर हिन्द

कठूमर। दिनेश लेखी। राज्य सरकार के निर्देशों की पालना में जनसुनवाई कार्यक्रम की त्रिस्तरीय व्यवस्था की कड़ी में गुरुवार को ग्राम पंचायत में ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई का कार्यक्रम सरपंच शेरसिहं मीणा की अध्यक्षता आयोजित हुई। ग्राम विकास अधिकारी श्यामसुंदर गर्ग ने बताया कि जन सुनवाई के दौरान 15 लोगों ने अपनी परिवेदनाएं दी। जिसमें बिजली और पानी का मुद्दा जनसुनवाई के दौरान तहसीलदार गिरधर सिह मीणा के समक्ष छाए रहे। वार्ड पंच प्रतिनिधि वीरेंद्र इधर कस्बे में नगर खेड़ली रोड पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा निर्माण किया गया था जिसमें पटरियों पर लगी सीमेंटेड ईंटो के नीचे बिजलीघर से धैनावाडी तिराहे तक अंडर ग्राउंड बिजली की लाइन डालनी थी जो अभी तक नहीं डल पाई। इधर उपसरपंच प्रतिनिधि श्याम सुंदर ने परिवेदना प्रस्तुत कर बताया कि नगर खेड़ली रोड पर नाला निर्माण सुनार वाली बगीची से आगे नहीं हो पाया जिसकी लगभग दूरी 200 मीटर है। इस नाले को पूरा बनवाने की मांग की है। ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत में पानी-बिजली, खातेदारी, पेंशन सहित विभिन्न विभागों से जुड़ी ग्रामीणों की परिवेदनाएं सुनी एवं सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को समस्या प्रेषित कर उसका निराकरण करने के लिए भेजें।जनसुनवाई के दौरान 15 परिवेदनाएं प्राप्त हुई जिनमें से 4 का मौके पर निस्तारण किया गया और शेष को सम्पर्क पोर्टल पर अपडेट कर शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए। इस मौके पर तहसीलदार गिरधर सिंह मीणा ,सरपंच शेर सिंह मीणा, ग्राम विकास अधिकारी श्यामसुंदर गर्ग, देवेश भारद्वाज ,वार्ड पंच, आशा सहयोगिनी, एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहित विभागों के अधिकारी कर्मचारी एवं परिवेदना प्रस्तुत करने वाले परिवादी मौजूद रहे।

अलवर ग्रामीण से नेत्री रिंकी वर्मा ने अपना जन्मदिन विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर मनाया

मरूधर हिन्द

कठूमर। दिनेश लेखी। अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र की नेत्री रिंकी वर्मा ने अपने जन्मदिन 7 जुलाई गुरुवार को अम्बेडकर सर्किल अलवर में बाबा साहब डॉ .भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शुरुआत की।
रिंकी वर्मा ने बताया कि गौ शाला अलवर में गौ माता का आशीर्वाद प्राप्त हुआ .....
आज अलवर ग्रामीण केगाँववै निठारी में बाबा साहब डॉ अम्बेडकर की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण गाँव वशिओ ने केक काटकर मनाया जन्मदिन नारी शक्ति का बहुत धन्यवाद दिया।
सभी युवा साथिओ का सभी ग्रामवशिओ का बहुत बहुत आभार जताया।
एकजुट होकर आगे की रणनीति तैयारी हुई।अलवर ग्रामीण के गांव महाराजपुरा में ग्रामीण द्वारा गुरूवार को जो मानसम्मान दिया उसका में आभारी रहेंगी और महाराजपुरा गाँव के बुद्धविहार में पौधा रोपण किया भंते से आशीर्वाद लिया बुद्धपूजा की सभी साथिओ का गाँव की सभी माता बहनो का बहुत बहुत आभार और धन्यवाद दिया।
मालाखेड़ा में भगवान जगन्नाथ के मंदिर में दर्शन कर पूजा अर्चना की प्रसाद ग्रहण किया । पंडित शिवराम जी से आशीर्वाद प्राप्त हुआ
आज राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद मालाखेड़ा (हॉस्पिटल)अलवर में सभी अलवर ग्रामीण के कार्यकताओ ने फल वितरण किया
सभी साथिओ का धन्यवाद आभार व्यक्त किया।

जिला कलेक्टर ने की भोगादीत में की जनसुनवाई

मरूधर हिंद/अरांई/.सवांददाता प्रकाश भागनानी

अजमेर जिला कलेक्टर अंशदीप ने गुरूवार को भोगादीत ग्राम पंचायत मुख्यालय पर जनसुनवाई की तथा ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया और कुछ समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया वही मौके पर मौजूद अधिकारीयों को तत्काल समस्याओं के निस्तारण करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत सरपंच ऊषा भगवत सिंह ने जिला कलेक्टर को गाँव की समस्याओं से अवगत कराया। जनसुनवाई के दौरान गाँव में जलापूर्ति नियमित व पर्याप्त नहीं होने , तथा विधुत विभाग द्वारा विधुत कनेक्शन देने में लापरवाही करने की शिकायत दी जिस पर जिला कलेक्टर ने विधुत विभाग को तीन दिन में पेंडिंग कनेक्शन का समाधान कर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने व पीएचडी के अधिकारियों को जलापूर्ति नियमित व उचित करने के निर्देश दिए। वही ग्रामीणों ने बताया कि माला और भोगादीत स्कूल में स्टाफ की कमी की समस्या और प्रधानमंत्री आवास योजना के भुगतान नही होने की समस्याएं भी सामने आई जिस पर कलेक्टर ने शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। ग्राम पंचायत भोगादीत के द्वारा उप स्वास्थ्य केंद्र पर काबिज अतिक्रमण को हटाने की तथा उप स्वास्थ्य केंद्र का पट्टा जारी करने की मांग की वही भोगादीत के ग्रामीणों ने नदी क्षेत्र में हो रहें अतिक्रमण को हटाने की मांग की जिस पर जिला कलेक्टर ने एसडीएम व तहसीलदार को को उचित कार्यवाही करने को कहा । इसके अलावा सड़क, अतिक्रमण सहित अन्य मामले भी सामने आये जिसका जिस पर जिला कलेक्टर अंशदीप ने शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। माला गाँव में ग्राम पंचायत की आबादी भूमि पर तारबंदी के बावजूद प्रभावशाली लोगों द्वारा अतिक्रमण करने की शिकायत दी गई तथा बताया कि पूर्व में उक्त मामले में अतिक्रमण कारियों के खिलाफ शिकायतें पुलिस व प्रशासन को दी जा चुकी है । माला के ग्रामीणों ने आंगनबाड़ी केन्द्र पर काबिज अतिक्रमण को हटाने की मांग की । जनसुनवाई के दौरान लगभग 30 शिकायतें प्राप्त हुई। इस दौरान उपखण्ड अधिकारी खेमाराम यादव, तहसीलदार हनुमान प्रसाद, विकास अधिकारी पुरूषोत्तम पारीक, सहायक विकास सत्यनारायण लढ्ढा, विधुत विभाग से एईन मनोज बंसल, जलदाय विभाग से कनिष्ठ अभियंता, महबूब अली, सहायक कृषि अधिकारी हेतराम जाट, गिरदावर भंवर सिंह खंगारोत, पटवारी, राजेन्द्र चौधरी, ग्राम विकास अधिकारी मुकेश कुमार, ब्लॉक सीएम एच ओ डा अनुज पिंगोलिया, डॉ विनोद सैनी एलडीसी धनराज आदि मौजूद थे।

एसडीएम व तहसीलदार ने किया अवलोकन -

ग्रामीणों ने नदी क्षेत्र में व्याप्त अतिक्रमण की जिला कलेक्टर को शिकायत दी गई जिसके बाद उपखण्ड अधिकारी खेमाराम यादव व तहसीलदार हनुमान प्रसाद ने नदी क्षेत्र का अवलोकन किया तथा अतिक्रमण की स्थिति देखी

हरसोरा कस्बे को मिली उप तहसील की सौगात

मरुधर हिन्द/ रमाकान्त शर्मा

बानसूर। प्रदेश के सीएम अशोक गहलोत आज अलवर दौरे पर रहे। बानसूर के गांव हरसौरा में सरपंच धोली रमेश अंबावत के सास व ससुर मिश्रो देवी और रामदेव गुर्जर की मूर्ति का अनावरण किया। जहां मूर्ति अनावरण के बाद सीएम ने जनसभा को सम्बोधित किया। सीएम ने जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार सदभाव प्रेम और भाईचारे कायम रखने की सरकार है। हमारी योजनाएं सभी वर्गो को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है। वही उन्होनें कहा की आज मै तीसरी बार मुख्यमंत्री बना हूं ,उसमे सभी समाजों का आशीर्वाद रहा है। पुरे राजस्थान विधानसभा में माली समाज से केवल एक विधायक है और वो मै हुं और सभी समाजों के सहयोग से मुख्यमंत्री बना।वही सीएम ने स्व. कर्नल बैंसला को याद करते हुए कहा कि उन्होनें समाज के लिए बहुत कुछ दिया है। उन्होनें समाज को आरक्षण दिलाने के लिए लड़ाई लड़ी। वो समाज के लिए अमर हुए हैं। मुख्यमंत्री ने हरसौरा को उप तहसील बनाने की घोषणा की। वही हरसौरा आदर्श सीएचसी और आईसीयू वार्ड का उदघाटन किया। सीएम की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन और पुलिस के आला अधिकारियों ने कमान संभाले रखी। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर खास इंतज़ाम रहे। वही बानसूर विधायक और उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने सभी मंत्री गणों और विधायको का समारोह में आगमन पर आभार प्रकट किया। वही आयोजक सरपंच परिवार ने सीएम अशोक गहलोत और सभी मंत्री गणों व विधायकों का स्वागत किया गया। समारोह में पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, धर्मेन्द्र राठौड़, गृह मंत्री राजेंद्र यादव अशोक चांदना खेल मंत्री, टीकाराम जुली, दीपचंद खैरिया, जोगेन्द्र अवाना, कर्ण सिंह यादव, साफिया खान, केजी कौशिक ,जिला प्रमुख बलबीर छिल्कर, जिला पार्षद,प्रधान, पंचायत समिति सदस्य, सरपंच गण मौजुद रहे।

समाज की प्रेरणा बनेंगे गत सदी के युवा

अरुण जोशी की रिपोर्ट

बांसवाड़ा. महामंडलेश्वर ईश्वरानंद महाराज ने कहा कि दक्षिणी राजस्थान के 74 बुजुर्ग लोगों के जीवन के अनुभवों के संकलन की पुस्तक युवाओं के लिए प्रेरणादायी बनेगी। गुरुवार को उत्तम सेवाधाम के कथा पंडाल में ÷बातें बुजुर्गों की÷ पुस्तक के मुखपृष्ठ के विमोचन अवसर पर उन्होंने यह बात कही। इस अवसर पर बेणेश्वर धाम के पीठाधीश्वर अच्युतानंद महाराज ने कहा कि कई बुजुर्ग जिन्होंने जीवन भर परिश्रम व जीवटता के साथ संघर्ष किया आज उपेक्षा का दंश झेल रहे हैं। ऐसे संक्रमण काल में यह पुस्तक युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन करते हुए बुजुर्गों के प्रति श्रद्धा भाव जाग्रत करेगी। पुस्तक के सम्पादक विनोद पानेरी बड़ोदिया ने बताया कि गत सदी के व्यक्तित्वों ने व्यवस्थाओं और उनके जीवन के संघर्षों से सफलता की कहानी का पुस्तक में संकलन किया गया है। इसका प्रकाशन बीएफसी प्रकाशन लखनऊ द्वारा किया जा रहा है। इस मौके पर राम बाबा, विहिप के धर्माचार्य प्रमुख डॉ विकास भट्ट, पण्डित दिव्यभारत पण्डया, विप्र फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष योगेश जोशी, भुवन मुकुंद पण्डया, पुष्पेन्द्र पण्डया भी मंच पर उपस्थित रहे।

तिजारा भाजपा मंडल कार्यसमिति की बैठक का आयोजन हुआ

मरुधर हिंद राकेश सैनी

तिजारा भारतीय जनता पार्टी मंडल शाहबाद की कार्यसमिति बैठक का आयोजन शक्ति केंद्र भिंडूसी पर मंडल अध्यक्ष विनय पाल यादव की अध्यक्षता में किया गया बैठक के मुख्य वक्ता किशनगढ़ बास के पूर्व विधायक व शाहाबाद मंडल के प्रभारी रामहेत सिंह यादव व भारतीय जनता पार्टी जिला अलवर उत्तर के जिला उपाध्यक्ष हर्ष यादव रहे बैठक में मंडल प्रभारी ने सर्वप्रथम मंडल कार्यसमिति शक्ति केंद्र व मोर्चो की कार्यकारणी का सत्यापन किया तथा संगठन संरचना के बारे में कार्यकर्ताओं को अवगत कराया इसके पश्चात वक्ताओं ने केंद्र में मोदी सरकार के 8 वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों के बारे में कार्यकर्ताओं को अवगत कराया गया तथा आने वाले राजस्थान विधानसभा चुनाव की तैयारियों में एकजुट होकर जुट जाने का आह्वान किया गया तथा भारतीय जनता पार्टी के संगठन को मजबूती प्रदान करते हुए संगठन का विस्तार करते हुए प्रत्येक मतदाता तक पहुंचने की कार्य योजना बनाई गई। इस अवसर पर प्रभारी पूर्व विधायक राम हेत सिंह, जिला उपाध्यक्ष हर्ष यादव, मंडल अध्यक्ष विनय पाल यादव ,पंचायत समिति प्रधान जयप्रकाश यादव, पूरण तवर ,दलीप सिंह ,वरिष्ठ भाजपा नेता राज प्रकाश ,अजय पाल मोर्चा अध्यक्ष सतपाल सिंह, सलोना ,हरिकिशन ,पूर्व सरपंच अनिल गुप्ता, नीरज चावड़ा, अनिल यादव ,समुंदर सिंह ,कृष्ण चावड़ा व भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खेरली रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ पुलिस द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के चलते बाइक रैली निकाल दिया प्रेम का संदेश

मरूधर हिन्द

कठूमर। खेडली कस्बे के रेलवे स्टेशन पर रेलवे पुलिस बल द्वारा आजादी के 75 वे अमृत महोत्सव पर बाइक रैली निकाली गई जानकारी के अनुसार आजादी के अमृत 75 वे महोत्सव के चलते आगरा से आरपीएफ पुलिस द्वारा बाइक रैली निकाली गई जो की भिन्न भिन्न स्टेशनों से होती हुई बाघा बार्डर तक जाएगी बाइक रैली टीम के इंचार्ज मानेंद्र सिंह ने बताया कि यह रैली आगरा से शुरू होकर इलाहाबाद जायेगी वहा पर एक ज्वाइंट टीम बनाई जाएगी वहा से यह रैली दिल्ली होकर बाघा बार्डर तक जाएगी इंचार्ज ने बताया कि इस बाइक रैली का उद्देश्य लोगो को प्रेम का संदेश देना है इस रैली में 5 बाइक के साथ एक गाड़ी भी साथ में है इस टीम में 10 बाइक चालक एवं 3 आदमी अलग से है सूचना मिलने पर रेलवे सुरक्षा बल चौकी खेरली एवं आसपास के लोगो द्वारा इस टीम का माला एवं साफा बंधन कर जोर दार स्वागत किया गया एवं रेलवे सुरक्षा बल के इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए प्रशंसा की गई। इस मौके पर खेरली रेलवे सुरक्षा बल चौकी प्रभारी रामकेश मीणा, सहायक उप निरीक्षक भगवान सिंह मीणा, हेड कांस्टेबल अनंतराम , कांस्टेबल बने सिंह एवं कांस्टेबल लोकेश कुमार, स्टेशन अधीक्षक संजीव कुमार, नगरपालिका पार्षद हरवीर गुर्जर, मोंटू जैन सहित स्टेशन का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

अवैध खनन रुकवाने के लिए पूर्व सरपंच आये सामने

मरूधर हिंद/ सवांददाता प्रकाश भागनानी

अरांई, डांग पहाड़ी में चल रहे बेतरतीब अवैध खनन को लेकर पूर्व सरपंच ने विधायक को चौथा स्मरण पत्र भेजकर शिकायत की है। शिकायत में अवैध रूप से ब्लास्टिंग एवं खनन को लेकर नाराजगी जताते हुए रूकवाने की मांग की है। आरोप है कि दबंग एवं प्रभावशाली लोगों ने अतिक्रमण कर खनन किया जा रहा है। ग्रामीणों के शिकायतों के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। भामोलाव के पूर्व सरपंच बृजराज सिंह राठौड़ ने बताया कि डांग पहाड़ी में अवैध रूप से ब्लास्टिंग कर अवैध खनन किया जा रहा है। बीते 4 वर्षों से 100 बीघा जमीन चरागाह पर कब्जा किया जा रहा है। अरावली पर्वतमाला में आने वाली डांग पहाड़ी में वैध-अवैध रूप से खनन किया जा रहा है। लीजशुदा खदान मालिक भी मुनाफाखोरी के चलते अपनी सीमा से अधिक खनन कार्य कर रहे है। खनन विभाग ने पहाड़ी में खनन के लिए लीज आवंटित की हुई है। इन लीजशुदा खदानों से बाहर जाकर इमारती पत्थरों का अवैध खनन किया जा रहा है। दिनरात खनन से पर्यावरण को नुकसान होने के साथ-साथ आस-पास के खेत भी बंजर हो रहे है। सुबह से पत्थरों की ढुलाई शुरू होती है, जो देर शाम तक चलती रहती है। अवैध ब्लास्टिंग के कारण गांव में लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मलबा भी चारागाह भूमि में ड़ालकर अतिक्रमण किया जा रहा है। मलबे के कारण मवेशियों को चराने के लिए जगह भी नहीं बची है। पूर्व सरपंच बृजराजसिंह ने बताया कि ग्रामीणों की बार-बार शिकायतों के बाद भी कोई सुध नहीं ली जा रही है। इससे खनन माफिया के हौसले बुलंद है।

तीन पार्षद एक तिराहा , सीवर के गंदे पानी समस्या गंभीर । मिलकर किया समाधान

मरूधर हिंद/शिव शंकर शर्मा

जयपुर ग्रेटर विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के वार्ड 24 26 27 के अंतर्गत आने वाले 16 नंबर बस स्टैंड तिराहे पर पिछले 2 दिनों से एक सीवर लाइन चेम्बर भर जाने की वजह से चारो तरफ बहुत ही ज्यादा पानी इक्ठा होने लगा था । गंदे पानी की बदबू ओर चारो तरफ फैली गंदगी से आम जन बहुत परेशान हो रहा था । इसकी सूचना जब हमने तीनो पार्षदों वार्ड 24 पार्षद रूपकंवर चौहान 27 पार्षद प्रेम देवी 26 पार्षद दिनेश कावंट को कल शाम को दी । सभी ने आश्वासन दिया कल इसको सही करवा दिया जाएगा । सुबह ओर शाम इस तिराहे पर बहुत ट्रैफिक रहता है। बसे भी इसी रास्ते से चलती है। और स्कूल खुलने की वजह से बच्चे भी पैदल ओर साइकिल पर इसी रास्ते से जाते है। इस रोड पर भरा पानी परेशानी का सबब बन गया और वो भी गन्दा पानी । जब आज सुबह एक बुजुर्ग इस रास्ते से जाते समय बस द्वारा इस गंदे पानी से उनको भीगा दिया , तब हमने वापस वार्ड 26 पार्षद दिनेश कावंट के टीम सदस्य दीपक वर्मा को कॉल किया और इस वाक्य से अवगत कराया । उसके तुरन्त बाद पार्षद दिनेश कावंट ओर उनकी टीम, पार्षद प्रेम देवी शर्मा टीम सदस्य शेखर शर्मा , पार्षद रूपकंवर टीम सदस्य हरिओम सिंह मोके पर पहुच, चेम्बर को सही करवाया इसके लिये सभी तीनो वार्डों के इस तिराहे पर आने वाले लोगो ने धन्यवाद दिया और तीनों के एक साथ मिलकर किया गया ये कार्य के लिये सराहना भी की ।

बोल अनमोल

बाधाएं व्यक्ति की परीक्षा होती हैं। उनसे उत्साह बढ़ना चाहिए, मंद नहीं पड़ना चाहिए। - प्रो. यशपाल

वसूली पर लगाम

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि कोई भी होटल या रेस्तरां खान-पान के बिल पर सेवा शुल्क नहीं वसूलेगा। अगर वह ऐसा करता है तो यह गैरकानूनी होगा और ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। प्राधिकरण का यह फैसला होटल और रेस्तरां में जाने वाले करोड़ों ग्राहकों के लिए बड़ी राहत है। अभी तक ऐसे सख्त दिशानिर्देश के अभाव में रोजाना बड़ी संख्या में सेवा शुल्क से जुड़े विवाद सामने आ रहे थे। लेकिन समस्या का हल नहीं निकल पा रहा था। वैसे इस दिशा में कवायद तो पिछले दो-तीन महीने से चल रही थी। पिछले महीने उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने होटल और रेस्तरां मालिकों के संगठनों के साथ बैठक भी की थी और इस मुद्दे पर गंभीर रुख अपनाया था। तभी यह फैसला हो गया था कि ऐसे विवादों से निपटने के लिए मजबूत कानूनी तंत्र बनाया जाएगा और उसे लागू करवाया जाएगा। सरकार ने तभी साफ कर दिया था कि ग्राहकों से सेवा शुल्क के नाम पर जो मनमानी रकम वसूली जाती है, वह गैरकानूनी और गलत है। अब जरूरत इस बात की है कि होटल और रेस्तरां मालिक ईमानदारी के साथ सीसीपीए के दिशानिर्देशों पर अमल करें। सीसीपीए ने साफ कहा है कि होटल या रेस्तरां में अगर कोई ग्राहक सेवक के काम और व्यवहार से खुश होकर उसे अपनी मर्जी से कुछ देना चाहे तो वह दे सकता है, लेकिन इसके लिए उसे होटल प्रबंधन या सेवक किसी भी रूप से उसे बाध्य नहीं कर सकता। यह भी कि होटल और रेस्तरां प्रबंधन किसी अन्य तरीके से या किसी मद में पैसा बढ़ा कर भी सेवा शुल्क की भरपाई नहीं कर सकेंगे। गौरतलब है कि अभी तक होटलों और रेस्तरां में खाने के बिल के साथ ही सेवा शुल्क लगाया जा रहा था और फिर उस पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) भी। अगर अब कोई होटल प्रबंधन ऐसा करता भी है तो ग्राहक उस बिल में से सेवा शुल्क की राशि हटाने के लिए कह सकेगा। अगर ऐसा नहीं होता है तो वह संबंधित होटल के खिलाफ तत्काल शिकायत कर सकेगा। सेवा शुल्क को लेकर सीसीपीए ने जो व्याख्या की है, उसमें साफ कहा गया है कि 'टिप' ग्राहक और होटल प्रबंधन के बीच अनुबंधित बुनियादी न्यूनतम सेवा से अलग सेवा के लिए है और ग्राहक भोजन करने के बाद ही उसकी गुणवत्ता के साथ सेवा का भी आकलन करने की स्थिति में आता है कि वह सेवक को खुश होकर कुछ देना चाहता है या नहीं। दरअसल होटलों और रेस्तरां में मनमाने तरीके से सेवा शुल्क वसूलने का मामला कई सालों से चल रहा था। आमजन से जुड़े इस गंभीर मुद्दे पर सरकार ने जो रुख अब दिखाया है और सीसीपीए ने अब जाकर दिशानिर्देश जारी किए हैं।

आज के ट्वीट

मैं इस पैदा किए गए पूरे विवाद, जिसमें दुर्भावनापूर्ण मंशा है, उससे अपरिचित नहीं हूं। बावजूद इसके मैं महुआ मोइत्रा पर हुए हमले से स्तब्ध हूं। महुआ ने वही कहा है जो सभी हिंदू जानते हैं। हमारे यहां पूजा का रूप अलग-अलग है। भक्त भोग के रूप में जो कुछ चढ़ाते हैं, वह देवी से ज्यादा उनके बारे में बताता है। हम ऐसी स्टेज पर आ चुके हैं जहां धर्म के किसी पहलू के बारे में कुछ भी सार्वजनिक तरीके से बोला नहीं जा सकता है।
- शशि थरूर

योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल में रोजगार हमारी प्राथमिकता में सबसे ऊपर। मुख्यमंत्री योगी ने कई अवसरों पर कहा है कि हर परिवार को रोजगार उपलब्ध कराना लक्ष्य है चाहे वह नौकरी हो या स्वरोजगार। इसी को ध्यान में रखते हुए मनरेगा के 39.11 लाख परिवारों को 100 दिन के भीतर रोजगार दिलाया और 9.95 करोड़ मानव दिवस का सृजन भी हुआ है।
- केशव प्रसाद मौर्य

आज का इतिहास

- 1948 - स्वतंत्र भारत की पहली बहुउद्देशीय परियोजना।
- 1998 - पं. विश्वमोहन भट्ट को सं.रा. अमेरिका का प्रतिष्ठित शताब्दी का सर्वाधिक प्रशंसित व्यक्ति सम्मान मिला।
- 1999 - फ्रांसीसी वैज्ञानिकों द्वारा पेचिस पेचिस के नये टीके
- 2007 - अमेरिका के दूरसंचार उपग्रह डायरेक्ट वी-10 को रूस के प्रोटान-एम रॉकेट द्वारा प्रक्षेपित किया गया।
- 2008 - काबुल (अफगानिस्तान) में हुए भारतीय दूतावास पर हमले में 41 लोग मारे गये।

जन्मे जो आज के दिन

सौरव गांगुली

'सौरव चंडीदास गांगुली' (जन्म- 8 जुलाई, 1972, कोलकाता, प। बंगाल) भारत के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खिलाड़ियों में से एक हैं। इनकी गिनती भारतीय क्रिकेट टीम के सफलतम कप्तानों में होती है। वह बायें हाथ से खेलने वाले उत्तम बल्लेबाज हैं। सौरव गांगुली को 1998 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। यह दाहिने हाथ से मीडियम पेस गेंदबाज भी हैं। गांगुली ने पहला एक दिवसीय मैच वेस्टइंडीज के खिलाफ ब्रिसबर्न में 11 जनवरी, 1992 को खेला था तथा पहला टेस्ट लाइर्स मैदान पर इंग्लैंड के विरुद्ध 1996 में खेला था। गांगुली की बल्लेबाजी में ताकत और जोश का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।

- 1958 - नीतू सिंह - हिन्दी चलचित्र अभिनेत्री।
- 1949 - गेगोंग अपांग - अरुणाचल प्रदेश से भारतीय राजनीतिज्ञ हैं।
- 1949 - वाई। एस। राजशेखर रेड्डी - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ थे, जो आंध्र प्रदेश के 14वें मुख्यमंत्री रहे।
- 1937 - गिरिराज किशोर - हिन्दी के प्रसिद्ध उपन्यासकार, सशक्त कथाकार, नाटककार और आलोचक।
- 1914 - ज्योति बसु - भारतीय मार्क्सवादी राजनितिज्ञ, पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री।
- 1912 - बनारसी दास - भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे।

कहीं भारत के लिए चुनौती न बन जाएं पश्चिम एशिया के समीकरण

के. वी. रमेश

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की सऊदी अरब की आगामी यात्रा इस बात का उदाहरण है कि कैसे महादेशों के भीतर और महाद्वीपों के बीच, खासकर यूक्रेन संघर्ष के मद्देनजर गठबंधन बदल रहे हैं। इस महीने होने वाली प्रस्तावित यात्रा रूस-चीन-ईरान के बीच संभावित साझेदारी के खिलाफ अपने सहयोगियों को खड़ा करने वाले अमेरिकी प्लान का हिस्सा है। जाहिर तौर पर अमेरिका ने यू-टर्न लेते हुए नीतिगत बदलाव करने का फैसला किया है, जो कि पिछले साल सउदी, खासतौर पर बीमार राजा के उत्तराधिकारी और क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान को अलग-थलग करता दिख रहा था।

वजह साफ है। औद्योगिक रूप से संपन्न पश्चिमी देशों सहित पूरी दुनिया खनिज तेलों की कीमतों में कमरतोड़ महंगाई का सामना कर रही है। यूक्रेन संघर्ष और रूस के खिलाफ प्रतिबंधों के बाद विश्व के दूसरे सबसे बड़े उत्पादक ने सप्लाई में कटौती की है जो दुनिया भर में बेहद अलोकप्रिय है।

दुनिया भर के बाजारों में युद्ध, प्रतिबंध और इसके परिणामस्वरूप तेल की कमी को उच्च कीमतों के लिए जिम्मेदार ठहराने का पश्चिमी प्रयास हजम नहीं हो रहा है। उत्पादन बढ़ाने के लिए तेल उत्पादकों के संघ ओपेक को मनाने का अमेरिकी प्रयास विफल रहा है। जहां कम संपन्न देश भारी मुसीबतों का सामना कर रहे हैं, अमीर देश भी अच्छी स्थिति में नहीं हैं। पूरे अमेरिका में पंपों पर गैसोलीन की कीमत 5 डॉलर को छू रही है, जो 1991 से 2022 तक के तीन दशकों के औसत 2.5 डॉलर से बहुत अधिक है। जब तक तेल की कीमत मौजूदा 120-प्लस डॉलर प्रति बैरल से कम होकर 100 से कम नहीं हो जाती, तब तक कई असुरक्षित देश आर्थिक मंदी के मामले में श्रीलंका का अनुसरण करने के लिए तैयार हैं। आसपास मंडराते वैश्विक आर्थिक संकट को तभी टाला जा सकता है, जब तेल उत्पादक देश धरती से अधिक तेल पंप करें और बाजार में अधिक तेल की सप्लाई करें। इस मायने में दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल उत्पादक सऊदी अरब की चर्चा महत्वपूर्ण है। अमेरिका को सउदी, खास तौर पर मोहम्मद बिन सलमान अल सउद के रूख को नरम करने की जरूरत है, और यही जो बाइडेन की आगामी यात्रा की व्याख्या करता है। अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए यह अपनी गलतियों को स्वीकार करने वाला कार्यक्रम है। खास तौर पर यह देखते हुए कि बाइडेन ने अपने चुनावी अभियान के दौरान मोहम्मद बिन सलमान को यूएस-बेस्ड सऊदी पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या के लिए जिम्मेदार बताया था, जिनके वाशिंगटन पोस्ट में छपे लेख ने सऊदी प्रिंस को नाराज किया था। 2018 में खशोगी को अंकारा स्थित सऊदी दूतावास ले जाया गया, जहां मोहम्मद बिन सलमान द्वारा भेजे गए लोगों द्वारा उनकी हत्या कर दी गई। हत्यारों ने उनके शरीर को टुकड़ों में काटकर फेंक दिया।

इस हत्या ने दुनिया को झकझोर कर रख दिया। एर्दोगन सरकार ने उन लोगों को गिरफ्तार किया और सऊदी सरकार पर हत्या का आदेश देने का आरोप लगाया। डोनाल्ड ट्रम्प के समय सउदी और शाही परिवार के करीब रहने वाले अमेरिका ने कुछ सहानुभूतिपूर्ण आवाजें उठाईं लेकिन कार्रवाई नहीं की। लेकिन चीजें बदल जाती हैं। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते व्यापारिक तनाव और रूस-चीन की गहरी होती साझेदारी ने अमेरिकी सैन्य-खुफिया प्रतिष्ठान को चिंतित कर दिया। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के दौरान खशोगी की हत्या हुई और ट्रंप की सऊदी से नजदीकी चुनावी मुद्दा बन गई। बाइडेन ने हत्या के लिए सउदी को जिम्मेदार ठहराने और इसे साबित करने का वादा किया। पिछले साल फरवरी में जीत की पहली लहर में बाइडेन ने खशोगी की हत्या में मोहम्मद बिन सलमान की संलिप्तता पर सीआईए रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट ने एमबीएस पर उंगली उठाई, लेकिन हत्या में उसकी संलिप्तता का पर्याप्त सबूत नहीं दिया गया। हालांकि उस वक्त अमेरिका 6 जनवरी को द कैपिटल पर हुए हमले से इतना आहत था कि रिपोर्ट पर करीब से नजर नहीं डाली जा सकी। इसके बावजूद, अमेरिका-सऊदी संबंधों में गिरावट आई। ईरान के परमाणु विकास कार्यक्रम पर पेरिस समझौते में बाइडेन प्रशासन के लौटने की संभावना ने भी मदद नहीं की। इस बीच सउदी-चीन आर्थिक संबंध तेजी से बढ़ते चले गए। अगस्त 2021 में चीन ने तेल-समृद्ध साम्राज्य के सबसे बड़े व्यापारिक भागीदार के रूप में अमेरिका की जगह हथिया ली। और फिर आया यूक्रेन संघर्ष। अमेरिका के निकटतम सहयोगियों में शामिल पश्चिम एशिया के तेल उत्पादक देश रूसी वस्तुओं और कंपनियों के बहिष्कार में शामिल नहीं हुए।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में रूस विरोधी प्रस्ताव पर यूएई ने भाग नहीं लिया। हालांकि अमेरिकी सहयोगियों के अलावा न तो संयुक्त अरब अमीरात और न ही सऊदी अरब ने रूस के साथ अपने फलते-फूलते व्यापारिक संबंधों को नुकसान पहुंचाना चाहते। उन्हें डर है कि रूस के विरोध और ओपेक प्लस छोड़ने से तेल उत्पादक संघ का पतन हो जाएगा।

दुनिया भर में तेल की ऊंची कीमतों के कारण यूक्रेन युद्ध अलोकप्रिय हो गया है और रूस सस्ते सौदों की पेशकश कर रहा है। भारत सहित अधिकतर देश उसके खिलाफ प्रतिबंध लगाने से बच रहे हैं। इसने अमेरिका के लिए स्थिति को अस्थिर कर दिया है। उसे लगा कि बाजार में अधिक गैर-प्रतिबंध तेल उपलब्ध कराने के लिहाज से ओपेक को उत्पादन बढ़ाने पर राजी करने के उसके प्रयासों के बाद मध्यम-आय वाले शुद्ध तेल आयातक देश रूसी तेल खरीदने से मुकड़ जाएंगे। लेकिन जब ऐसा नहीं हुआ तब बाइडेन प्रशासन को एहसास हुआ कि उसे सउदी को शांत करना होगा। इसके पीछे दोहरे उद्देश्य थे। तीसरे सबसे बड़े तेल उत्पादक को और अधिक पंप करने के लिए राजी करना, ओपेक के बाकी देशों को इसी लाइन पर आने के लिए मजबूर करना और सऊदी-चीन आर्थिक संबंधों को कम करना। इसकी कीमत स्पष्ट थी। खशोगी हत्या मामले में एमबीएस को संदेह के घेरे से बाहर निकलना, यूएस-वेस्ट एशिया संबंधों को नया आयाम देने के क्रम में ऑयल किंगडम के अहमियत की पुष्टि करने के लिए जेद्दा की हाई-प्रोफाइल यात्रा करना और सउदी को आश्वस्त करना कि परमाणु समझौते से ट्रम्प के वाक-आउट को उलटने जैसा कोई यूएस-ईरान संबंध नहीं होगा। यह बाइडेन की आगामी यात्रा का एजेंडा होगा। यूएस की पहल का जवाब सऊदी पहले ही दे चुका है। सबसे बड़ी सऊदी अरामको सहित वहां की चार तेल कंपनियों ने अपने चीनी साझेदारों को सूचित किया है कि वे सप्लाई में लगभग आधी कटौती करेंगे। इससे चीन खनिज तेलों के लिए रूस पर लगभग पूरी तरह से निर्भर हो जाएगा। यह ऐसी स्थिति जो उसे पसंद नहीं है। बीजिंग अपने प्रभाव को बढ़ाने के लिए अपने प्रयासों और संसाधनों को किसी एक पर खर्च करना पसंद नहीं करता है। उसे यह भी सूट नहीं करता कि वह रूस के प्रति सहानुभूति रखता है। यह सब भारत को कैसे प्रभावित करता है? नई दिल्ली के लिए यह एक चुनौती होगी क्योंकि विदेश मंत्रालय उम्मीद कर रहा था कि ईरान पर अमेरिका के नरम होने से दुनिया के दूसरे सबसे बड़े तेल आयातक के लिए बाजार में अधिक सस्ता तेल उपलब्ध होगा। भारत ने अब तक रूसी तेल खरीदकर तेल की कीमतों को तुलनात्मक रूप से कम रखा है, लेकिन मास्को से रियायती तेल खरीदने के खिलाफ पश्चिमी देशों का दबाव बढ़ रहा है। पूरी तरह से तेल आयातक देश तुर्की ने बदलते माहौल को पहचानने में देर नहीं की। वह खशोगी हत्याकांड की जांच पहले ही रोक चुका है और यहां तक कि पिछले महीने एमबीएस का खुले दिल से स्वागत भी कर चुका है। भारत नहीं चाहता कि खाड़ी में उसके संबंध नवीनतम अमेरिकी चाल से प्रभावित हों। पश्चिम एशिया के खदान क्षेत्र के माध्यम से वह बेहद सधी चाल चलना चाहता है। क्षेत्र के तीन पावर सेंटर्स सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और इजराइल के साथ इसके घनिष्ठ संबंध हैं। यह अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात और इजराइल के आई2यू2 गठबंधन में भी शामिल हो गया है। लेकिन इसने ईरान के साथ घनिष्ठ और महत्वपूर्ण संबंध भी बनाए रखा है। चाबहार और अफगानिस्तान से होते हुए मध्य एशिया के एनर्जी मार्केट्स तक उसे कॉरिडोर बनाने की आवश्यकता होगी। असल में यही वजह थी कि भारत ने पिछले हफ्ते अपना काबुल दूतावास खोला।

जहां अमेरिका फिर से ईरान के खिलाफ सउदी के साथ हाथ मिला रहा है, भारतीय राजनयिकों की सेना, जो अब तक बड़ी कुशलता से देश की विदेश नीति को संभाल रही है, के सामने एक नई चुनौती जरूर खड़ी हो गई है।

(अस्वीकरणः यह लेखक के निजी विचार हैं।)

नुपूर पर सितम तो महुआ पर करम क्यों?

संयम श्रीवास्तव

एक डॉक्युमेंट्री के पोस्टर में मां काली की बेहद आपत्तिजनक तस्वीर ने राजनीतिक बवाल कर दिया है। और इस आग में घी डालने का काम किया है टीएमसी की सांसद महुआ मोइत्रा ने। महुआ का बयान इतना खतरनाक साबित हुआ कि उनकी पार्टी टीएमसी भी उनसे इत्तेफाक नहीं रखने का खुलेआम ऐलान कर चुकी है। पार्टी का कहना है कि ये उनका पर्सनल मामला है। टीएमसी के इस बयान के बाद यह सवाल उठने लगा है कि महुआ के बयान को पर्सनल मानने वाली पार्टियां नुपूर शर्मा मामले को पार्टी से क्यों जोड़ बैठी थीं। नुपूर शर्मा के प्राफेट वाले बयान के बाद से देश में विपक्ष बीजेपी से माफी मांगने की बात कर रहा है जबकि पार्टी अपनी प्रवक्ता को निलंबित कर चुकी है। अब काली के मुद्दे पर टीएमसी जैसी पार्टी है जो कि किसी हिंदू देवी-देवता के अपमानित होने पर उसे अपनी पार्टी के बजाय पर्सनल स्टैंड बताकर पल्ला झाड़ रही हैं। हालांकि नुपूर शर्मा मामले में बीजेपी को टार्गेट करते हुए उनका कहना था कि पश्चिम बंगाल में धर्म के खिलाफ बोलकर कोई बच नहीं सकता, हम उसे तुरंत गिरफ्तार करेंगे। एक टीवी चैनल के कॉन्क्लेव में मंगलवार को टीएमसी सांसद ने कहा था कि "मिसाल के तौर पर आप भूटान और सिक्किम में जाते हैं तो वे पूजा में अपने अराध्य को व्हिस्की देते हैं। लेकिन अगर उत्तर प्रदेश में जाएंगे और प्रसाद के रूप में व्हिस्की देने की बात करेंगे हैं तो लोग इसे ईशनिंदा के रूप में लेंगे।" उन्होंने कहा, "मेरे लिए काली एक मांस खाने वाली और शराब स्वीकार करने वाली देवी हैं। और आप तारापीठ (पश्चिम बंगाल के बीरभूम ज़िले में एक शक्ति पीठ) जाएंगे तो पाएंगे कि साधु स्मोकिंग कर रहे हैं। काली की पूजा करने वाले आपको अलग-अलग मिलेंगे। हिन्दू धर्म के भीतर काली के उपासक के तौर पर मुझे अधिकार है कि मैं अपनी देवी की कल्पना अपने हिसाब से कर सकूं। यही मेरी आजादी है।" मोइत्रा आगे कहती हैं, "जिस तरह से आपको शाकाहारी और सफेद वस्त्र में ईश्वर की पूजा की आजादी है, उसी तरह से मुझे भी मांसाहारी देवी की पूजा की आजादी है।" पैगंबर पर नुपूर शर्मा के बयान के बाद बीजेपी ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया उसके बाद पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा था, कुछ विनाशकारी भाजपा नेताओं द्वारा हाल ही में जघन्य और नृशंस अभद्र भाषा की टिप्पणियों की मैं निंदा करती हूं, जिसके परिणामस्वरूप न केवल हिंसा फैल गई, बल्कि देश के ताने-बाने भी टूटे हैं, जिससे शांति और सौहार्द में गड़बड़ी हुई। मेरी पुरजोर मांग है कि भाजपा के आरोपी नेताओं को तुरंत गिरफ्तार किया जाए ताकि देश की एकता भंग न हो और लोगों को मानसिक पीड़ा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा, साथ ही, मैं सभी जातियों, पंथों, धर्मों और समुदायों के अपने सभी भाइयों और बहनों से आम लोगों के व्यापक हित में शांति बनाए रखने की अपील करती हूं और इस उकसावे की कड़ी निंदा करती हूं। बीजेपी पर निशाना साधते हुए वेस्ट बंगाल की सीएम ने हाल ही में कहा था, "अगर आपका नेता धर्म के बारे में झूठ बोल रहा है, विवादित बातें कह रहा है, तो आप उन्हें गिरफ्तार नहीं करते हैं। वे चुपचाप बैठते हैं। मार भी देते हैं, तो कोई बात नहीं है। और अगर हम बात करते हैं, तो वे हमें हत्यारे बनाते हैं। आपने जुबेर को क्यों गिरफ्तार किया? उसने क्या किया? तीस्ता ने क्या किया? मैं बुरे लोगों का नाम नहीं लेने जा रही हूं। आप धर्म का दुरुपयोग करने वालों को गिरफ्तार नहीं करते हैं! आप उन्हें सुरक्षा देते हैं। लेकिन हमारे राज्य ने उसे तलब किया है, हम उसे नहीं छोड़ेंगे। हम झूठ बोलने वालों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे।" ममता का यही सब बयान उनके लिए गले की फांस बन गया है। सोशल मीडिया पर जनता उनसे पूछ रही है कि काली को लेकर यह डबल स्टैंडर्ड क्यों? हिंदू आस्था को लेकर टीएमसी की छवि कुछ तो बीजेपी और कुछ टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी के चलते ठीक नहीं रहा है। आपको याद होगा पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के पहले ममता बनर्जी को देखते ही बीजेपी के वर्कर जय श्रीराम का नारा लगाते थे और मुख्यमंत्री चिढ़कर कुछ अनाप शनाप बोल देतीं थीं। बीजेपी को भी बैठे-बिठाए मुद्दा मिल जाता था। प्रदेश ही नहीं देशभर के बहुतायत हिंदुओं में गहरी धारणा बन चुकी है कि ममता और उनकी पार्टी मुस्लिम तुष्टीकरण करती हैं। शायद यही कारण रहा कि नुपूर शर्मा मामले में टीएमसी लगातार बीजेपी पर हमले करती रही है। पर काली विवाद में वो बैकफुट पर नजर आ रहीं हैं। दुर्गा पूजा की समाप्ति पर मूर्ति विसर्जन पर रोक का मामला हो या फिर मौलवियों को मासिक वेतन देने की बात, टीएमसी के मुस्लिम तुष्टीकरण के मुद्दों को बीजेपी मुद्दा बनाती रही है। यही वजह रहा कि विधानसभा चुनावों में ममता बनर्जी को चुनावी रैलियों के मंचों से मंत्रों और श्लोकों का पाठ करना पड़ गया था। पैगंबर विवाद पर बीजेपी को पानी पी-पी कर कोसने वाली कांग्रेस मोइत्रा मुद्दे को टीएमसी का आंतरिक मुद्दा बताकर पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने कहा कि वह इस पर कुछ नहीं कहना चाहते हैं। मोइत्रा की टिप्पणी टीएमसी का आंतरिक मामला है। "हम सभी धर्मों के अराध्यों का सम्मान करते हैं। भारत की खूबसूरती विविधता है।" पर आपको याद होगा यही पार्टी पैगंबर विवाद में भारतीय जनता पार्टी से देश से माफी मांगने को कहती थी। कांग्रेस की महिला नेता रेणुका चौधरी ने पैगंबर मामले में कहा था कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को ही कान पकड़कर माफी मांगनी चाहिए। रेणुका चौधरी ने जोर देकर कहा था, "इस मामले में क्या भाजपा माफी नहीं मांगेगी? यह बुनियाद तो उसकी ओर से ही रखी गई है। भाजपा को देश के अल्पसंख्यकों से माफी मांगनी चाहिए। उन्हें कान पकड़ने चाहिए, वरना आपके हालात भी ऐसे ही होंगे। भाजपा ने घूम फिरकर महिला को बलि का बकरा बना दिया है। क्या भाजपा में कोई मर्द नहीं है, जो आगे आकर माफी मांग ले। इन लोगों को तो चुल्लू भर पानी में डूब मरना चाहिए।" तृणमूल कांग्रेस की पश्चिम बंगाल में सरकार है जहां काली माता की पूजा घर-घर में होती है। हालांकि बंगाली समाज में काली पूजन में मांस मदिरा का उस तरह का परहेज नहीं है जिस तरह का उत्तर भारत में है। ये जग जाहिर है कि पश्चिम बंगाल के हिंदुओं में सबसे ज्यादा आस्था मां काली और मां दुर्गा की है। कालीघाट का मंदिर देशभर के 51 शक्तिपीठों में शामिल बताया जाता है। हुगली नदी के पूर्वी तट पर दक्षिणेश्वर में मां काली मंदिर और फिर तारापीठ में मां तारा का मंदिर है। नवरात्रि के दिन तो इन मंदिरों की भव्य छटा देखते ही बनती है। 70.54 प्रतिशत हिंदू आबादी वाले इस राज्य में शायद ही कोई घर हो जहां काली माता न विराजती हों। सीधा मतलब है कि काली माता के बारे में कुछ बोलना मतलब हिदुओं को नाराज करना है। हिंदुओं की सबसे प्रिय देवी के इतने भद्दे पोस्टर के समर्थन में खड़ा होने का मतलब है चुनावों में हिंदुओं का समर्थन खो देना होगा। शायद इसी लिए पार्टी ने तुरंत इसे मोइत्रा का व्यक्तिगत विचार कहकर किनारा कर लिया है। मोइत्रा भी अपनी छवि फायर ब्रैंड वाली बनायी है। उन्होंने भी अपनी नाराजगी जाहिर करने के लिए पार्टी का ट्विटर हैंडल अनफॉलो कर दिया।

(अस्वीकरणः यह लेखक के निजी विचार हैं।)

योगी के दूसरे कार्यकाल के पहले 100 दिन शानदार

योगी आदित्यनाथ के काम करने का अंदाज अन्य सरकारों, प्रशासकों और मुख्यमंत्रियों से अलहदा होता है। वह कुछ अलग करते हैं, नया करते हैं, प्रत्येक कार्यक्षेत्र में उनकी दृष्टि प्रयोगात्मक होती है। तभी तो उनकी कार्यशैली में समर्पण और ईमानदारी झलकती है। जबसे उनकी सरकार बनी है, अच्छे परिणाम के लिए अपनी टीम के साथ दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। बीते कार्यकाल से कहीं बेहतर दूसरे कार्यकाल को संपन्न करना चाहते हैं। देखिए, हुकूमतों की अव्वल प्राथमिकताएं सेवा, सुरक्षा और सुशासन होती हैं, क्योंकि ये तीनों कड़ियां आवाम से सीधा वास्ता रखती हैं। इन तीनों में काम कैसे हो, जिसके मिजाज को जांचने के लिए मॉनिटरिंग जरूरी होती है जिसके लिए मानक और समय अवधि निर्धारित की जाती है। सरकारों का काम हो, या अन्य किसी अन्य कार्यक्षेत्र का प्रारंभिक रिजल्ट, उनमें अपनी कार्यप्रणाली की सफलता-असफलता को परखने के लिए शुरूआती दिनों के कामों से अंदाजा लगाया जाता है, ऐसा करने से भविष्य में परिणाम निश्चित रूप से मन-मुताबिक निकलते हैं। खुदा ना खास्ता इन शुरूआती दिनों में कहीं कमी दिखे तो उसे समय रहते सुधारने की गुंजाइश भी रहे।

बहरहाल, प्रयोगात्मक रूपी सौ दिनी रिपोर्ट पेश करके उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी '2.0' सरकार के काम को गहराई से भांपने का प्रयास किया है जिसमें तकरीबन सभी मंत्रालय, विभाग, समितियां व आयोग शामिल हैं, जिन पर बीते सौ दिनों में उन्होंने खुद पैनी निगरानी रखीं और सौ दिन का रिजल्ट तैयार कर जनता के समक्ष पेश किया। फिलहाल उनके सुशासन के सौ दिनों का जो लेखा-जोखा प्रस्तुत हुआ है उसे उपलब्धियों में नहीं, बल्कि कार्यशैली के आकलन के तौर पर देखा जाए तो बेहतर होगा। ऐसा खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मानते हैं। प्रस्तुत रिपोर्ट के मुताबकि मात्र सौ दिनों के भीतर 1400 से अधिक निवेश परियोजनाओं के लिए 80204 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड निवेश सूबे में करना किसी चमत्कार से कम नहीं है। निवेशक उनके नाम से उत्तर प्रदेश में पहुंचने लगे हैं। जबकि, एक वक्त ऐसा भी था जब निवेशक यूपी आने से कतराते थे। अगर कोई आता भी था, तो उसे रंगदारी नेताओं और गुंडों को देनी पड़ती थी।

डॉ. रमेश ठाकुर

गौरतलब है कि योगी अपने दूसरे कार्यकाल में समग्र विकास चाहते हैं जिसे पाने के लिए वह जीतोड़ मेहनत कर रहे हैं। मौजूदा वक्त में लागू सभी महत्वाकांक्षी योजनाएं बिना भेदभाव के विभिन्न वर्गों को लाभान्वित कर रही हैं। हाल ही में आयोजित मेगा ऋण मेले के दौरान 1.90 लाख हस्तशिल्पियों, कारीगरों व अन्य मझोले उद्यमियों को 16 हजार करोड़ रुपये का ऋण वितरण किया, जिससे उनकी दशा सुधर सके। इसकी भी समीक्षा इन सौ दिनों की कार्य प्रगति में की गई। सरकार का पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वांचल, मध्य यूपी, बुंदेलखंड के विकास के लिए ज्यादा फोकस है, इन क्षेत्रों में कई प्रस्तावित उद्योग सेक्टर निर्धारित किए हैं। जैसे डेटा सेंटर, कृषि, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, इन्फ्रास्ट्रक्चर, टैक्सटाइल एवं हैंडलूम, नवीनीकृत ऊर्जा, रिन्यूएबल एनर्जी, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग हाउसिंग, हेल्थकेयर, हॉस्पिटैलिटी, फूड प्रोसेसिंग, डिफेंस एयर स्पेस, शिक्षा, पशुधन, फिल्म एंड मीडिया आदि। अगर ये सभी योजनाएं अगले एकाध वर्षों में भी लागू हो जाएं, तो इन पिछड़े इलाकों की तकदीर ही बदल जाएगी। मुख्यमंत्री योगी की इस बार सबसे ज्यादा नजर अफसरशाहों पर है। क्योंकि बीते कार्यकाल में कई ऐसी रिपोर्ट सामने आईं थीं जिनमें अधिकारियों की लापरवाही से तमाम योजनाएं धरातल पर नहीं उतरीं। ऐसे अधिकारियों-कर्मचारियों पर इस बार नकेल कसने की रणनीति बनाई गई। तीन साल से ज्यादा समय से टिके अधिकारियों को हटना होगा। ये फैसला निश्चित रूप से काबिले तारीफ है। क्योंकि कुंडी मारकर बैठे अधिकारी अधिकांश भ्रष्टाचार के समुद्र में गोता लगाते हैं। पीडब्ल्यू विभाग को मलाईदार माना जाता है, जहां वर्षों से इंजीनियर टिके हैं। उन सभी पर भ्रष्टाचार के मामले भी लंबित हैं। उन सभी को इधर-उधर करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके अलावा सुरक्षा का मसला प्रदेश में हमेशा चिंतनीय रहा था जिसे काफी हद तक दुरुस्त किया गया। माफियाओं और पारिवारिक पार्टियों के गठजोड़ को खंडित कर दिया गया है। इनका कभी थाने-कचहरियों में बोलबाला हुआ करता था, उस तंत्र को भी तोड़ा गया। सीएम योगी ने अपराध व माफियागिरी पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाकर जनता के मन में दृढ़ विश्वास पैदा किया है।

कमाई के हिसाब से सरकार अब घाटे में नहीं है। क्योंकि कमाई वाले क्षेत्रों से भी नतीजे शानदार आ रहे हैं। पिछले वित्तीय वर्ष में वैश्विक महामारी कोरोना के बावजूद प्रदेश के निर्यात में तीस फीसद वृद्धि दर्ज हुई। एमएसएमई विभाग और अमेजन के बीच हाल ही में एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर दस्तखत किए गये हैं। अमेजन के कानपुर में एक डिजिटल केंद्र का शुभारंभ हुआ। इससे एमएसएमई और ओडीओपी इकाइयों को अपना उत्पाद बेचने में सहूलियत होगी। इसके अलावा कृषि क्षेत्र में भी बेहतरीन प्रयास किए जा रहे हैं। इन सबके अलावा सरकार के समक्ष चुनौतियां अभी कई हैं, उन चुनौतियों से निपटने के लिए कमर ऐसी ही कसे रखनी होगी। सभी मंत्रियों और उनके मंत्रालयों व अधिकारियों की कार्य शैलियों पर भी पैनी नजर रखनी होगी।

चित्रकूट के घाट से

भय उचाट मन थिर नाहीं

प्रेममूर्ति भरत का स्वभाव सौशील्य देखकर कौशलेन्द्र सहित सारा समाज विदेह हो गया। सभी लोग उनके भ्रातृत्व की प्रशंसा मन-ही-मन कर रहे हैं। आकाश से पुष्प-वृष्टि होने लगी।

रघुराउ सिथिल सनेहं साधु समाज मुनि मिथिला धनी। मन महुं सराहत भरत भायप भगति की महिमा घनी।। भरतहिं प्रसंसत बिबुल बरषत सुमन मानस मलिन से। तुलसी बिकल सब लोग सुनि सकुचे निसागम नलिन से।।

हां। श्री भरत के इस निर्णय से पुरवासी जन संकुचित हो गए, क्योंकि इनकी आकांक्षा थी कि वे श्री राघव से लौटने का आग्रह करेंगे। गोस्वामी जी ने एक बड़ी ही भावपूर्ण उपमा से इस स्थिति का चित्रण किया है। जैसे रात्रि का आगमन देखकर कमल समूह संकुचित हो जाता है। प्रभु का वियोग ही रात्रि है। अभी तक भरत रूप सूर्य के आश्रय से पुरवासी प्रफुल्लित और निश्चिन्त थे, किन्तु उनको भी सेवक-धर्म के अस्ताचल में अस्त होते देख पुरवासी जलजों की समस्त आशा जाती रही। इस व्यथापूर्ण अवसर पर ही देवराज इन्द्र ने आर्त्त नर-नारियों पर उच्चाटन का प्रयोग कर दिया।

श्री भरत, जनक, मुनिमण्डली और मातृमण्डल को छोड़ अन्य सभी लोगों पर इसका प्रभाव पड़ा। ऐसी परिस्थिति में पुरवासी बड़ी ही द्वन्द्वात्मक व जटिल मनःस्थिति में पड़ गये। लोगों को घर की स्मृति आ गई-दूसरे ही क्षण राम-प्रेम की स्मृति हुई और वन में रहना उचित जान पड़ने लगा। मन, बुद्धि के इस द्वन्द्व से सभी लोग व्यथित हो रहे हैं। किन्तु एक दूसरे से कहते नहीं लज्जानुभवन करते हैं।

भय उचाट बस मन थिर नाहीं। छन बन रूचि छन सदन सोहाहीं।। दुबिध मनोगति प्रजा दुखारी। सरित सिंधु संगम जनु बारी।।

- पूज्यपाद पं. रामकिंकरजी महाराज

एयर एंबुलेंस से दिल्ली पहुंचे लालू यादव एम्स में हो रहा इलाज

नई दिल्ली । कुछ दिनों पहले बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव चोटिल हो गए थे। जिसके बाद उनको पटना के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। वहां पर उनकी हालत गंभीर बनी हुई थी, जिस वजह से बुधवार शाम उन्हें एयर एंबुलेंस के जरिए पटना से दिल्ली लाया गया। फिलहाल उनको अभी एम्स में भर्ती करवाया गया है। वहां पर ही उनका आगे का इलाज हो रहा। दरअसल लालू 3 जुलाई को सीढ़ियों से गिर गए थे। इस वजह से उनके हाथ और कंधे पर चोट लग गई। सूत्रों के मुताबिक लालू यादव के फेफड़े में पानी भर गया है। उनका इलाज पारस अस्पताल में चल रहा था, लेकिन बाद में डॉक्टरों ने उनको दिल्ली रेफर कर दिया। उनके बेटे तेज प्रताप यादव और बेटी मीसा भारती भी उनके साथ दिल्ली आए हैं। हालांकि पारस अस्पताल के डॉक्टर ये बात कह रहे हैं कि उनकी हालत में काफी सुधार हुआ है। ऐसे में घबराने की कोई बात नहीं है। वही तेजस्वी यादव ने कहा कि उनके पिता लालू यादव को बेहतर इलाज के लिए दिल्ली लाया गया। वहां पर एम्स में उनका इलाज हो रहा है। अगर जरूरत पड़ती है, तो वो उन्हें सिंगापुर भी लेकर जाएंगे। इससे पहले उन्होंने सभी से अपील की थी कि वो अस्पताल ना आएं, क्योंकि इससे उनके पिता और परिवार को दिक्कत हो रही थी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी पारस अस्पताल पहुंचे और लालू यादव के स्वास्थ्य का अपडेट लिया। उन्होंने ईश्वर से उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। साथ ही ऐलान किया कि उनके इलाज का पूरा खर्च बिहार सरकार उठाएगी। नीतीश कुमार ने कहा कि ये लालू यादव को हक है, इस वजह से उन्होंने ये फैसला लिया है। इससे एक दिन पहले मंगलवार को पीएम मोदी ने तेजस्वी को फोन कर पूर्व सीएम के स्वास्थ्य की जानकारी ली थी।

टीएमसी नेता सहित दो अन्य लोगों की गोली मारकर हत्या, पुलिस जांच में जुटी -आरोपियों ने गला कटने की कोशिश की

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में टीएमसी नेता स्वपन माझी की गुरुवार की सुबह गोली मारकर हत्या कर दी गई। उनके साथ ही दो अन्य लोगों को गोली मारी गई, जिनकी मौके पर ही मौत हो गई। यह तिहरा हत्याकांड गुरुवार की सुबह उस वक्त हुआ, जब टीएमसी नेता बाइक से अपने दो साथियों के साथ घर से निकले थे। इस दौरान कुछ लोगों ने मोटरसाइकिल को रोककर अंधाधुंध फायरिंग कर फरार हो गए। गोलियां लगने से टीएमसी लीडर और उनके दोनों साथियों की मौके पर ही मौत हो गई। फिलहाल भारी संख्या में पुलिस को तैनात किया गया। स्वपन माझी टीएमसी नेता और स्थानीय पंचायत के सदस्य भी थे। केनिंग पश्चिम के टीएमसी विधायक परेश राम दास ने कहा कि हत्यारों ने पहले तब टीएमसी नेता सहित तीन लोगों को गोली मारी और फिर उनके सिर भी काटने की कोशिश की थी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, 'तीन लोगों की हत्या हुई है। मृतकों की पहचान स्वपन माझी, झानतु हलदर और भूतनाथ प्रमाणिक के तौर पर हुई है। यह घटना सुबह करीब 9 बजे हुई, जब तीनों टीएमसी के स्थानीय दफ्तर जा रहे थे। दरअसल 21 जुलाई को टीएमसी की दक्षिण 24 परगना में एक रैली होने वाली है। उसकी तैयारियों के लिए ही स्वपन माझी अपने साथियों के साथ निकले थे। केनिंग की गोपालपुर पंचायत के वह सदस्य थे। स्थानीय लोगों के मुताबिक अज्ञात लोगों ने मोटरसाइकिल को रोका था, जिसमें स्वपन माझी सहित तीनों लोग सवार थे। पहले उन लोगों ने माझी को गोली मारी और फिर जब हलदर और प्रमाणिक ने भागने की कोशिश की, तब उन्हें भी गोली मार दी गई। उन लोगों की हत्या करने के बाद उनका गला भी काटने की कोशिश की गई थी। विधायक दास ने कहा, माझी मंगलवार रात को मेरे पास आए और कहा था कि मेरी हत्या की जा सकती है। मैंने उनसे कहा था कि गुरुवार दोपहर को आए ताकि मैं पुलिस से बात करूं और सुरक्षा की कुछ व्यवस्था कराई जा सके।' इस घटना के लिए टीएमसी ने भाजपा को जिम्मेदार ठहराया है, वहीं भाजपा का कहना है कि यह उसकी आंतरिक कलह का नतीजा है। टीएमसी के प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा, हम मामले में जानकारी जुटाने का प्रयास कर रहे हैं। यह टीएमसी पर हमला है। भाजपा हमारे दल को कमजोर करना चाहती है और राज्य की छवि को भी खराब करने का प्रयास कर रही है।

वायरल वीडियों में नूपुर शर्मा की गर्दन काटने की बात कहने वाला गिरफ्तार

बरेली (उत्तर प्रदेश)। जिले के फरीदपुर कस्बे से भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा की गर्दन काटने की कथित धमकी देने के आरोपी को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह कार्रवाई सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने पर की गई, जिसमें आरोपी कथित तौर पर शर्मा का गला काटने की बात कर रहा है। बरेली के पुलिस अधीक्षक ग्रामीण राजकुमार अग्रवाल ने बताया कि वायरल वीडियों में एक व्यक्ति नुपूर शर्मा की गर्दन काटने की बात कहता दिखाई दे रहा है तथा सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने एवं वर्ग विशेष के धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आशय से वक्तव्य दे रहा है। उन्होंने बताया कि तत्काल प्रकरण का संज्ञान लेकर जांच कराई गई, तो यह प्रकरण बरेली जिले के थाना फरीदपुर से संबंधित पाया गया है। अग्रवाल ने बताया कि इस संबंध में फरीदपुर थाना में मामला पंजीकृत कर नासिर नामक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि नासिर, फरीदपुर थाना के अंतर्गत कस्सावान कस्बे का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक नासिर की फरीदपुर कस्बे में दर्जी की दुकान है।

कर्नाटक एसीबी प्रमुख ने न्यायाधीश की टिप्पणी को हटाने के लिए याचिका दायर की

बेंगलुरु। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के एडीजीपी सीमांत कुमार सिंह ने रिश्वत से जुड़े एक मामले में जमानत याचिका की सुनवाई के दौरान उनके और राज्य भ्रष्टाचार रोधी निकाय के खिलाफ एकल न्यायाधीश द्वारा की गई टिप्पणी को हटाए जाने का अनुरोध करते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की है। अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजीपी) की याचिका में न्यायमूर्ति एच. पी. संदेश की उस टिप्पणी का जिक्र किया गया गया है जिसमें उन्होंने एसीबी को एक वसूली केंद्र और सिंह को दागी अधिकारी कहा था। याचिका में कहा गया है, याचिकाकर्ता विद्वान एकल न्यायाधीश की मौखिक टिप्पणियों से बहुत आहत हैं और इससे (टिप्पणियों से) याचिकाकर्ता और एसीबी की प्रतिष्ठा को गंभीर नुकसान हुआ है। इस मामले की शुरुआत तब हुई, जब भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी सिंह को 30 मई को उप तहसीलदार महेश पी. एस. की जमानत याचिका की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति संदेश के सामने व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने को कहा गया था। अदालत ने सवाल किया था कि तत्कालीन उपायुक्त (डीसी) मंजूनाथ को मामले में आरोपी क्यों नहीं बनाया गया। इसके बाद अदालत से वादा किया गया कि उन्हें मामले में पक्ष बनाया जाएगा। 29 जून को मामले की अगली सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने सिंह और निकाय के खिलाफ तब टिप्पणी की जब उन्होंने गौर किया कि डीसी को अभी तक पक्ष नहीं बनाया गया है।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने किया हज़रतबल दरगाह का दौरा, ईद की तैयारियों की समीक्षा की

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने बृहस्पतिवार को यहां हज़रतबल दरगाह का दौरा किया और ईद-उल-अजहा की तैयारियों की समीक्षा की। ईद रविवार को मनाई जाएगी। उपराज्यपाल के साथ जम्मू-कश्मीर के वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष दरख्शां अंद्राबी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। अधिकारियों ने बताया कि सिन्हा ने प्रसिद्ध डल झील के सामने स्थित पवित्र दरगाह में ईद की नमाज़ अदा करने वाले नमाज़ियों के लिए बिजली, साफ-सफाई और पानी की व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की। अधिकारी ने बताया कि उपराज्यपाल ने प्रशासन से रविवार को होने वाली बारिश के पूर्वानुमान की स्थिति में सभी ज़रूरी इंतजाम करने को भी कहा। सिन्हा ने ट्विटर पर कहा कि यह त्योहार लोगों को दयालुता, परोपकार और मानवता की भलाई के लिए काम करना सिखाता है। उपराज्यपाल ने ट्विटर पर लिखा, हज़रतबल दरगाह में जियारत की। ईद-उल-जुहा के शुभ अवसर के लिए की जा रही व्यवस्थाओं की समीक्षा की,यह (त्योहार) लोगों को दयालु, परोपकारी बनने व मानवता की भलाई के लिए कार्य करना सिखाता है। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के लोगों की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोले, जमू कश्मीर प्रशासन ने आतंकवाद पर निर्णायक रूप से नियंत्रण कायम किया

श्रीनगर। (एजेंसी)।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि जम्मू कश्मीर प्रशासन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद पर निर्णायक रूप से नियंत्रण कायम किया है। शाह ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये यहां एक कार्यक्रम में शामिल होने के दौरान कहा, 'आज उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व में, जम्मू कश्मीर शांति और विकास के रस्ते पर आगे बढ़ रहा है। सिन्हा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद पर निर्णायक रूप से नियंत्रण कायम किया है।' सोनावर में दार्शनिक और समाज सुधारक रामानुजाचार्य की 'शांति प्रतिमा' (स्टेच्यू ऑफ पीस) का अनावरण करने का बाद केंद्रीय गृहमंत्री ने यह बात कही।

शाह ने कहा कि सिन्हा के नेतृत्व में प्रशासन ने कश्मीर के लोगों को बिना किसी भेदभाव के विकास उपलब्ध कराया है। उन्होंने कहा, 'लंबे समय तक, देश के लोगों को उम्मीद थी कि अनुच्छेद 370 के प्रावधान और अनुच्छेद 35ए हटाने के बाद जम्मू कश्मीर का राष्ट्र के साथ एकीकरण हो जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस उम्मीद को पूरा किया। पांच अगस्त 2019 को कश्मीर में एक नए युग की शुरुआत हुई।' शाह ने कहा कि उन्हें यह सोचकर शांति मिलती है कि श्रीनगर में सूर्य मंदिर का जीर्णोद्धार हो सका। उन्होंने कहा, 'श्रीनगर में शांति प्रतिमा का अनावरण होना भारत के लोगों के लिए अच्छा संकेत है विशेष रूप से जम्मू कश्मीर के लोगों के लिए।' उन्होंने कहा, 'मुझे विश्वास है कि शांति प्रतिमा कश्मीर के हर धर्म के लोगों के लिए रामानुजाचार्य की शिक्षा और उनका आशीर्वाद लाएगी और उन्हें शांति तथा विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाएगी।'

शाह ने कहा कि रामानुजाचार्य ने ज्यादातर काम दक्षिण भारत में किया लेकिन एक महत्वपूर्ण पांडुलिपि 'बोदायन वृत्ति' को लाने के लिए वह कश्मीर गए क्योंकि उसकी एक ही प्रति उपलब्ध थी जो घाटी के शाही पुस्तकालय में रखी थी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, 'कश्मीर के राजा ने न केवल अपने पुस्तकालय के द्वार खोल दिए बल्कि रामानुजाचार्य का स्वागत भी किया।' रामानुजाचार्य की चार फुट ऊंची प्रतिमा हाथ जोड़कर बैठे हुए मुद्रा में है। छह सौ किलोग्राम की इस प्रतिमा को जमीन से तीन फुट की ऊंचाई पर रखा गया है।

मोदी सरकार ने गेहूं के आटे के निर्यात पर सख्ती बढ़ाई

नई दिल्ली। देश में आटा की बढ़ती कीमतों और निर्यात की गुणवत्ता को देखकर मोदी सरकार ने गेहूं के आटे के निर्यात पर सख्ती बढ़ा दी है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की अधिसूचना से इसकी जानकारी मिली है। इसके मुताबिक गेहूं के आटे का निर्यात मुक्त रहेगा, लेकिन यह अंतर-मंत्रालयी समिति की सिफारिश के अधीन होगा। इसके तहत अब सभी निर्यातकों को शिपमेंट से पहले गेहूं निर्यात पर अंतर-मंत्रालयी समिति से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। पहले इस तरह के नियम नहीं थे। दरअसल नोटिफिकेशन में लिखा गया है, गेहूं और गेहूं के आटे में वैश्विक आपूर्ति में व्यवधान ने कई नए प्लेयर्स मार्केट में आ गए हैं। इस वजह से कीमतों में उतार-चढ़ाव और गुणवत्ता से संबंधित मुद्दों पर गौर करने की जरूरत हो गई है। भारत से गेहूं के आटे के निर्यात की गुणवत्ता बनाए रखना जरूरी है। इसके अलावा कीमतों पर भी काबू रखना अनिवार्य है।' नोटिफिकेशन के मुताबिक गेहूं के आटे की निर्यात नीति मुक्त रहती है और इस पर कोई पूर्ण प्रतिबंध नहीं है।यह प्रावधान मैदा और अन्य तरह के आटों के निर्यात पर भी लागू होगा। वहीं, यह फैसला 12 जुलाई से प्रभावी होने वाला है। पिछले महीने खाद्य सचिव सुधांशु पांडे ने गेहूं के आटे के निर्यात पर संभावित अंकुश लगाने का संकेत दिया था। उन्होंने सुझाव दिया गया था कि गेहूं को निर्यात के लिए ज्यादा मात्रा में आटे में परिवर्तित नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि गेहूं एक रेग्युलेटेड कमोडिटी है। बता दें कि बीते मई माह में सरकार ने गेहूं के निर्यात पर रोक लगा दी थी।

भारत ने चीन से पूर्वी लद्दाख सीमावर्ती क्षेत्र में एलएसी से पीछे हटने का आग्रह किया

विदेश मंत्री ने चीनी विदेश मंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत ने चीन से पूर्वी लद्दाख सीमावर्ती क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से सेनाओं को आमने-सामने से हटाने को लेकर लंबित मुद्दों को तुरंत सुलझाने का आग्रह कर कहा कि भारत-चीन संबंधों में तीन प्रकार की परस्परता-परस्पर सम्मान, परस्पर संवेदनशीलता एवं पारस्परिक हितों का ध्यान रखना महत्वपूर्ण है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने विदेश मंत्रियों की बैठक के इतर गुरुवार को चीन के स्टेट काउंसलर एवं विदेश मंत्री वांग यी से भेंट की। जिसमें डॉ. जयशंकर ने पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर लंबित मुद्दों का त्वरित समाधान का आह्वान किया। उन्होंने कुछ इलाकों में सेनाओं से आमने सामने से हटाने के निर्णय के क्रियान्वयन का हवाला देकर सभी बकाया मोर्चों से सेनाओं की पूर्ण वापसी की जरूरत पर बल दिया ताकि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति एवं स्थिरता कायम हो सके।

डॉ. जयशंकर ने दोनों मंत्रियों के बीच पिछली वार्ताओं में बनी सहमति के पूर्णतः पालन की अहमियत पर बल दिया। इस संबंध में दोनों मंत्रियों ने कहा कि दोनों पक्षों के सैन्य एवं कूटनीतिक अधिकारियों को नियमित संपर्क में रहना चाहिए। उन्होंने अगले दौर की सीनियर कमांडर स्तर की बैठक किसी नजदीकी तिथि को बुलाने की अपेक्षा व्यक्त की।

डॉ. जयशंकर ने वांग यी ने मार्च में दिल्ली में हुई मुलाकात को यादकर उसके बाद प्रमुख मुद्दों पर हुई प्रगति की समीक्षा की। जिसमें भारतीय छात्रों की चीन के शिक्षण संस्थानों में वापसी शामिल है। उन्होंने कहा कि भारतीय छात्रों को वापसी की प्रक्रिया तेज होनी चाहिए। दोनों मंत्रियों ने अन्य क्षेत्रीय एवं वैश्विक गतिविधियों पर भी वैचारिक आदान प्रदान किया। वांग यी ने ब्रिक्स की चीन की अध्यक्षता में भारत के सहयोग की सराहना की और जी-20 और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की भारत की अध्यक्षता को चीन की ओर से पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने एक दूसरे के नियमित संपर्क में रहने पर भी सहमति जाहिर की।

ओम प्रकाश चौटाला की अपील पर दिल्ली हाईकोर्ट ने सीबीआई को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आय से अधिक संपत्ति मामले में दोषी ठहराए जाने के खिलाफ हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला की अपील पर दिल्ली हाईकोर्ट ने सीबीआई को नोटिस जारी किया है। दरअसल, ओम प्रकाश चौटाला ने सीबीआई की विशेष अदालत के आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। साथ ही 4 साल की जेल की सजा को निलंबित करने की भी मांग की है। बता दें कि बीते 27 मई को×ठ्ठड्डह्यश्च;आय से अधिक संपत्ति मामले में ओम प्रकाश चौटाला की सजा पर फैसला हुआ था। दिल्ली की स्पेशल सीबीआई अदालत ने आय से अधिक संपत्ति मामले में दोषी करार दिए गए हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला को 4 साल की सजा सुनाई और पचास लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था। इतना ही नहीं, कोर्ट ने चौटाला की चार संपत्तियों को भी जब्त करने का आदेश दिया था। अदालत ने कोर्ट रूम से ही ओम प्रकाश चौटाला को हिरासत में लेने का आदेश दिया था। इस तरह चौटाला कोर्ट से सीधे जेल गए थे। चौटाला की तरफ से इस मामले में अपील फाइल करने के लिए 10 दिन का समय मांगा गया था, इस पर जज ने कहा था कि आप हाईकोर्ट जाइए। बता दें कि गुरुवार को सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। दरअसल, विशेष न्यायाधीश विकास ढुल ने वर्ष 1993 से 2006 के दौरान आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के दोषी करार दिए गए ओपी चौटाला और सीबीआई के वकीलों की गुरुवार को सजा पर बहस सुनी थी। ओपी चौटाला ने बहस के दौरान बुढ़ापे और चिकित्सा आधार पर कम से कम सजा देने का अनुरोध किया था। वहीं, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अधिकतम सजा देने का अनुरोध करते हुए कहा था कि इससे समाज में संदेश जाएगा। एजेंसी ने कहा था कि चौटाला का बेदाग इतिहास नहीं है और यह दूसरा मामला है जिसमें उन्हें दोषी करार दिया गया है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे बोले, मुर्मू का राष्ट्रपति बनना देश के लिए गर्व की बात होगी

ठाणे। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि यह गर्व की बात है कि आदिवासी समुदाय की सदस्य द्रौपदी मुर्मू को देश के राष्ट्रपति पद के लिए नामांकित किया गया है। शिंदे ठाणे जिलाधीश कार्यालय में बैठकें करने के बाद बुधवार को यहां पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। कुछ मीडियाकर्मियों ने उनसे शिवसेना के लोकसभा सांसद राहुल शेवाले के उस बयान के बारे में पूछा था, जिसमें शेवाले ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से पार्टी सांसदों को राजग प्रत्याशी मुर्मू के आदिवासी समुदाय से ताल्लुक होने तथा समाज में उनके योगदान पर विचार करते हुए उनका समर्थन करने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया था। मुख्यमंत्री ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुर्मू को देश की राष्ट्रपति बनने का अवसर दिया है। यह गर्व और सम्मान की बात है। मुझे भी गर्व है कि आदिवासी समुदाय की एक सदस्य को इस पद के लिए नामांकित किया गया है।'' राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए मतदान 18 जुलाई को होगा तथा मतगणना 21 जुलाई को होगी। वर्तमान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का कार्यकाल 24 जुलाई को समाप्त हो रहा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार के साथ अपनी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बारे में पूछने पर शिंदे ने कहा कि उन्होंने हाल फिलहाल में पवार से मुलाकात नहीं की और यह तस्वीर हालिया वक्त की नहीं है। शिंदे ने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद वह पवार से नहीं मिले हैं।

दिसंबर में जी20 की अध्यक्षता ग्रहण करेगा भारत, दलाई लामा को लेकर चीन की आपत्ति पर भी दिया करारा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची कई मुद्दों को लेकर आज एक संवावदाता सम्मेलम किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत इस साल दिसंबर में ल्20 की अध्यक्षता ग्रहण करेगा और अगले साल शिखर सम्मेलन के अलावा हमारी अध्यक्षता के दौरान देशभर में विभिन्न स्तरों पर बड़ी संख्या में ल्20 कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इससे साथ ही उन्होंने चीन को भी करारा जबाव दिया है। दरअसल, चीन ने तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा को उनके 87वें जन्मदिन पर बधाई देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए कहा था कि भारत को चीन के आंतरिक मामलों में दखल देने से परहेज करते हुए तिब्बत से जुड़े मुद्दों का इस्तेमाल बंद कर देना चाहिए।

इसके जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने यह भी कहा कि पीएम मोदी ने पिछले साल भी दलाई लामा के साथ बात की थी, यह हमारी सरकार की सतत नीति रही है कि उन्हें भारत में अतिथि के रूप में माना जाए। देश में उनके बड़े फॉलोअर्स हैं। उनका जन्मदिन भारत और दुनिया भर में मनाया जाता है। विवो विवाद पर अरिंदम बागची ने कहा कि यहां काम करने वाली कंपनियों को देश के कानून का पालन करने की जरूरत है। हमारे कानूनी अधिकारी देश के कानून के अनुसार कदम उठा रहे हैं। भारत से भागे वीवो निदेशकों पर उन्होंने कहा कि हमें अधिकारियों से जानकारी नहीं मिली है। यह एक कानूनी मुद्दा है, जब भी हमें कुछ मिलेगा और चीन से बात करने की जरूरत है, हमारे पास पारस्परिक सहायता की एक प्रणाली है।

यूके पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि ये आंतरिक घटनाक्रम हैं, हम इस पर कड़ी नजर रख रहे हैं। पीएम मोदी और पीएम जॉनसन की गहरी दोस्ती थी। यूके के साथ हमारी बहुआयामी साझेदारी है और हमें उम्मीद है कि यह जारी रहेगा। हम नेतृत्व परिवर्तन पर टिप्पणी नहीं करेंगे। चीनी विदेश मंत्री से एस जयशंकर की मुलाकात पर उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री ने पूर्वी लद्दाख में एलएसी के साथ सभी मुद्दों के शीघ्र समाधान और घर्षण क्षेत्रों में प्राप्त विघटन के बारे में बात की। उन्होंने शांति और शांति बहाल करने के लिए पूर्ण विघटन के लिए गति बनाए रखने की आवश्यकता दोहराई।

एमएसपी पर तत्काल समिति गठित हो, 'अनाज संकट' पर श्वेत पत्र लाया जाए: कांग्रेस

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के बारे में नीति आयोग के एक सदस्य के बयान को लेकर बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि यह किसानों को सरकार द्वारा दिए गए 'विश्वासघात के घाव' पर नमक रगड़ने की तरह है। पार्टी सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने सरकार से यह आग्रह भी किया कि सरकार को संयुक्त किसान मोर्चा से किए गए वादे के मुताबिक एमएसपी पर तत्काल समिति गठित करनी चाहिए और देश में चल रहे 'अनाज संकट' पर श्वेत पत्र लाना चाहिए। हुड्डा ने संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि देश में 'अनाज संकट' है क्योंकि बड़े पैमाने पर गेहूं निर्यात कर दिया गया और कई भाजपा शासित राज्यों ने भी केंद्र सरकार से गेंहू की मांग की है।

उन्होंने एमएसपी की कानूनी गारंटी देने की मांग करते हुए कहा कि कांग्रेस, सरकार के 'विश्वासघात' के खिलाफ संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रमों का नैतिक समर्थन करती है। संयुक्त किसान मोर्चा ने पिछले दिनों कहा था कि सरकार द्वारा इस कथित विश्वासघात के विरोध में, 18 जुलाई को संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से 31 जुलाई - शहीद ऊधम सिंह के शहादत दिवस तक, देशभर में जिला स्तर पर विश्वासघात के खिलाफ विरोध जनसभाओं का आयोजन किया जाएगा। हुड्डा ने कहा, ''संयुक्त किसान मोर्चा के साथ जो समझौता हुआ था कि उसके तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर समिति बननी चाहिए थी। अब तक अजय कुमार मिश्रा को मंत्री से हटाया भी नहीं गया। यह विश्वासघात है।''

उन्होंने नीति आयोग के एक सदस्य के बयान का हवाला देते हुए कहा कि यह किसानों को दिए गए 'विश्वासघात के घाव' पर नमक रगड़ना है। उल्लेखनीय है कि नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद ने बुधवार को कहा कि कृषि फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य व्यवस्था तब तक जारी रहना चाहिए जब तक कि बाजार प्रतिस्पर्धी और कुशल न हो जाए, लेकिन इसे खरीद के अलावा अन्य किसी माध्यम से दिया जाना चाहिए। एमएसपी के विषय को लेकर हुड्डा ने दावा किया, ''28 मार्च को सरकार की तरफ से संयुक्त किसान मोर्चा के लोगों के पास फोन आया था कि समिति के लिए दो-तीन नाम दे दो। मोर्चा की तरफ से पूछा गया कि समिति को बनाने का मानदंड और अधिकार क्षेत्र क्या होगा? सरकार ने कोई जवाब नहीं दिया।

सरकार ने धोखा दिया है।'' उन्होंने कहा, ''वादा था कि 2022 तक किसानों की आय दोगुना की जाएगी, लेकिन यह तो हुआ नहीं, बल्कि किसानों का कर्ज और खर्च बढ़ गया। अब भाजपा के लोग किसानों की आय दोगुनी करने की बात ही नहीं करते। यह बड़ा धोखा किया गया है।'' हुड्डा ने सरकार से आग्रह किया, ''तत्काल एमएसपी पर समिति का गठन हो। अनाज संकट पर श्वेत पत्र लाए जाए ताकि पता चल सके कि 10 प्रदेशों के भंडार में कटौती क्यों करनी पड़ी।

कोहली टी-20 टीम से बाहर हो सकते है

»इंग्लैंड के खिलाफ नहीं चले तो वर्ल्ड कप में नहीं मिलेगी जगह, मैनेजमेंट के पास ऑप्शन हैं

नई दिल्ली | एजेंसी

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली के लिए कुछ भी अच्छा होता नजर नहीं आ रहा है। पिछले तीन साल से खराब फॉर्म से गुजर रहे कोहली को एक और बड़ा झटका लग सकता है। मीडिया रिपोर्टस की माने तो भारतीय टीम मैनेजमेंट और चयनकताओं को लगता है कि विराट अब टी-20 टीम के मिडिल ऑर्डर में फिट नहीं बैठ रहे हैं। अगले 10 दिनों में इंग्लैंड में दो टी-20 और ओडीआई सीरीज खेली जानी है। ऐसे में अगर उनका बल्ला इंग्लैंड के खिलाफ नहीं चला तो वो टीम से बाहर कर दिए जाएंगे। मैनेजमेंट को लगता है कि कोहली से बेहतर विकल्प मिडिल ऑर्डर के लिए ऋषभ पंत, श्रेयस अय्यर, दिनेश कार्तिक और दीपक हुड्डा होंगे। टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ता कोहली को टी-20 टीम में जगह देने को लेकर स्पष्ट नहीं हैं। टीम के शीर्ष खिलाड़ी रोहित शर्मा, ऋषभ पंत और हार्दिक पंड्या वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 सीरीज में हिस्सा होंगे, लेकिन विराट को तभी मौका दिया जाएगा जब वह इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। अगर ऐसा नहीं होता है तो उन्हें टी-20 टीम के साथ-साथ वर्ल्ड कप टीम से भी बाहर का रास्ता देखना पड़ सकता है।

टीम मैनेजमेंट के फैसले ने कर दिया है इशारा

टीम मैनेजमेंट के एक फैसले ने इशारा कर दिया है कि कोहली का टी-20 करियर खतरे में पड़ सकता है। बुधवार को वेस्टइंडीज दौरे के लिए जो टीम चुनी गई है, वो सिर्फ वनडे सीरीज के लिए है। ऐसे में ये साफ है कि इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में कोहली के प्रदर्शन को देखा जाएगा। वेस्टइंडीज दौरे की कमान शिखर धवन को दी गई है। वहीं, रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया गया है।

कोहली का फ्लॉप रहना हो सकता है बड़ा कारण

पिछले दो सालों से क्रिकेट के मैदान पर औसत प्रदर्शन कर रहे विराट कोहली का बल्ला आईपीएल-15 में भी शांत रहा। कोहली सीजन के 16 मैचों में 22.73 के औसत से सिर्फ 341 रन बना सके। 2009 के बाद ऐसा पहली बार हुआ जब कोहली का किसी आईपीएल सीजन में औसत 25 से कम रहा हो। टीम की कप्तानी छोड़ने के बाद सिर्फ बल्लेबाज के रूप में खेल

राफेल नडाल आठवीं बार विंबलडन के सेमीफाइनल में

चोट के बावजूद जीते अब सेमीफाइनल खेलना तय नहीं, चार घंटे 21 मिनट में टेलर फ्रिट्ज को हराया

लंदन | एजेंसी

दूसरी सीड राफेल नडाल ने अपनी चोट को मात देते हुए साल के तीसरे ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने चार घंटे 41 मिनट चले मैराथन मुकाबले में टेलर फ्रिट्ज को 3-6, 7-5, 3-6, 7-5, 7-6 से हराया। नडाल का सेमीफाइनल मुकाबला निक किर्गियोस से होगा। निक किर्गियोस ने एक अन्य क्वार्टर फाइनल मुकाबले में क्रिस्टियन गारिन को 6-4, 6-3, 7-6 से हराते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। किर्गियोस हमेशा राफेल नडाल की आलोचना करते आए हैं। उन्होंने कहा था कि एक दिन उनसे सामना होगा। अब जब उनकी इच्छा पूरी होने का समय है तो नडाल चोटिल हो गए हैं। उनके सेमीफाइनल खेलने पर संशय है। नडाल ने होने वाले इस मुकाबले से पहले नॉन सीडेड खिलाड़ी किर्गियोस को हराने के सवाल पर कहा कि ईमानदारी से कहूं तो अभी मैं इस सवाल का स्पष्ट जवाब नहीं दे सकता हूं। क्योंकि, यदि मैं आपको कोई जवाब दे देता हूं और कल वैसा नहीं हुआ तो मैं झूठा साबित हो जाऊंगा। मुकाबले के दौरान नडाल ने मेडिकल ब्रेक लिया था। उनके पेट में समस्या थी। हालांकि वे कुछ देर बाद कोर्ट पर लौट आए थे।

पहला सेट गंवाया, आखिरी के दोनों सेट जीते

36 साल के स्पेनिश खिलाड़ी नडाल पहले सेट में 3-1 से आगे थे। लेकिन फ्रिट्स ने लगातार पांच गेम जीतकर यह सेट अपने नाम कर लिया। उसके बाद नडाल पेट दर्द की समस्या के कारण कोर्ट छोड़कर चले गए। हालांकि वे थोड़ी देरे में लौट आए। फिर नडाल ने 7-5 से दूसरा सेट जीतते हुए मुकाबला बराबरी पर ला दिया। उसके बाद अमेरिकी स्टार ने 6-3 से जीतकर मुकाबले को रोमांचक बना दिया। ऐसे में वर्ल्ड नंबर-4 नडाल ने लगातार दो सेट जीतते हुए टॉप-4 में जगह बनाई। उन्होंने चौथा सेट 7-5 से और पांचवा सेट 7-6 से हराया।

मैच देखने पहुंचे धोनी-गावस्कर

इस मुकाबले को देखने भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और दिग्गज भारतीय क्रिकेटर सुशील गावस्कर भी पहुंचे। सीएसके ने सोशल मीडिया में एक फोटो पोस्ट की। जिसमें धोनी-गावस्कर के साथ मैच देखते नजर आ रहे हैं। उरङ ने अपनी पोस्ट में लिखा कि 'यलो ऑल मैच देखते हुए' इस तस्वीर में धोनी ग्रे कलर का सूट पहने नजर आ रहे हैं। धोनी ने काला चश्मा भी लगाया हुआ है। वहीं, दिग्गज भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर भी मैच देखते हुए नजर आए। विम्बलडन ने भी यह फोटो पोस्ट की।

जोकोविच, हालेप भी सेमीफाइनल में

सर्बिया के नोवाक जोकोविच और कैमरून नॉरी ने भी अपने-अपने मैच जीतकर मेन सिंगल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वहीं, सिमोना हालेप, एलेना रिबकिना, ओंस जेबुअर और तत्याना मारिया ने विमेन सिंगल्स के टॉप-4 में प्रवेश कर लिया।

सानिया ने मिश्रित युगल सेमीफाइनल में हार के साथ विम्बलडन से विदा ली

भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने मिश्रित युगल सेमीफाइनल में गत चैम्पियन नील कुपस्की और डेसिरे क्रॉजिक से मिली हार के साथ विम्बलडन से विदा ली । सानिया और क्रोएशिया के मेट पाविच की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी को ब्रिटेन के कुपस्की और अमेरिका की डेसिरे ने 4-6, 7-5, 6-4 से हराया । 35 वर्ष की सानिया छह ग्रैंडस्लैम खिताब जीत चुकी हैं जिनमें तीन मिश्रित युगल खिताब हैं हालांकि वह विम्बलडन मिश्रित युगल कभी नहीं जीत सकी । उन्होंने 2009 आस्ट्रेलियाई ओपन और 2012 फ्रेंच ओपन महेश भूपति के साथ और 2014 अमेरिकी ओपन ब्राजील के ब्रूनो सुआरेस के साथ जीता था । सानिया ने गुरूवार को ट्वीट किया, ''हमने जितनी चुनौती पेश की और संघर्ष किया, हमने जो भी काम किया है, वह अंत में महत्वपूर्ण था। पर इस बार विम्बलडन में ऐसा नहीं होना था, लेकिन पिछले 20 साल में यहां खेलना और जीतना सम्मान की बात है।'' सानिया का यह टूर पर आखिरी साल है । उन्होंने और पाविच ने पहला सेट जीतने के बाद दूसरे सेट में भी 4-2 की बढत बना ली थी लेकिन अगले छह में से पांच गेम हार गए । निर्णायक सेट में सानिया और पाविच ने अपने विरोधी की सिंवस तोड़ी लेकिन ज्यादा देर दबाव बनाकर नहीं रख सके । पाविच ने 12वें गेम में दो बार डबल फॉल्ट किये । विम्बलडन में मिश्रित युगल में यह सानिया का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है । वह 2011, 2013 और 2015 में क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी । उन्होंने विम्बलडन में 2015 में मार्तिना हिगिस के साथ महिला युगल खिताब जीता था । छह बार की ग्रैंडस्लैम विजेता सानिया ने इस साल के शुरू में घोषणा की थी कि वह 2022 सत्र के समापन के साथ संन्यास ले लेंगी।

सिंधू, प्रणय मलेशिया मास्टर्स क्वार्टर फाइनल में

कुआलालंपुर | एजेंसी

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधू और एच एस प्रणय मलेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए ।

सातवीं वरीयता प्राप्त सिधू ने 32वीं रैंकिंग वाली चीन की झांग यि मान को 28 मिनट में 21-12, 21-10 से हराया। अब उनका सामना अंतिम आठ में चिर प्रतिद्वंद्वी चीनी ताइपै की ताइ जू यिग से होगा । दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी के खिलाफ सिंधू का रिकॉर्ड 5-16 का है । पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन में भी उसने सिंधू को हराया था । पुरूष एकल में प्रणय क्वार्टर फाइनल में पहुंचे जबकि बी साइ प्रणीत और पारूपल्ली कश्यप हारकर बाहर हो गए । प्रणय ने चीनी ताइपै के वांग जू वेइ को 21-19, 21-16 से हराया । अब उनका सामना जापान के केंटा सुनेयामा से होगा । वहीं बी साइ प्रणीत को चीन के लि शि फेंग ने 21-14, 21-17 से हराया । पूर्व राष्ट्रमंडल खेल चैम्पियन कश्यप को छठी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के एंथोनी सिनिसुका गिंटिग ने 21-10, 21-15 से शिकस्त दी ।

एशिया कप 2022

एक बार फिर आमने-सामने होंगे भारत-पाक

मुंबई | एजेंसी

टीम इंडिया को टी-20 वर्ल्ड कप के पहले मुकाबले में पाकिस्तान से मिली करारी हार का बदला लेने का मौका मिल गया है। भारतीय टीम 28 अगस्त को एशिया कप में पाकिस्तान का सामना करेगी। इस बार एशिया कप की मेजबानी श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (रछउ) कर रहा है। पहले वहां आर्थिक संकट के चलते इसके वअए में कराए जाने की चचाएं थीं। श्रीलंका क्रिकेट के सीईओ एश्ले डिसिल्वा ने बताया कि टूनार्मेंट के मुकाबले शेड्यूल के अनुसार कराए जाएंगे। हमने एशियन क्रिकेट काउंसिल को भी इसके लिए तैयार कर लिया है। एशिया कप टी20 टूनार्मेंट की शुरूआत 27 अगस्त से होगी। भारत और पाकिस्तान का मुकाबला 28 अगस्त को हो सकता है। भारत बतौर डिफेंडिंग चैंपियन उतरेगा। इससे पहले क्वालिफायर के मुकाबले खेले जाएंगे।

वर्ल्ड कप में मिली थी करारी हार

याद दिला दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी भिड़ंत पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप में हुई थी। बाबर आजम की अगुआई वाली पाक टीम ने भारत को 10 विकेट से करारी मात दी थी। एशिया कप वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिहाज से अहम है।

हरमनप्रीत, शैफाली और पूजा का दमदार प्रदर्शन

भारत ने श्रीलंका को तीसरे मैच में 39 रनों से हराकर श्रृंखला जीती

पालेकल | एजेंसी

कप्तान हरमनप्रीत कौर और पूजा वस्त्राकर के हरफनमौला प्रदर्शन के बूते भारतीय महिला टीम ने गुरूवार को यहां तीसरे और अंतिम वनडे में श्रीलंका पर 39 रन की जीत से श्रृंखला में सूपड़ा साफ किया। हरमनप्रीत (88 गेंद में 75 रन, पांच ओवर में 21 रन देकर एक विकेट) और वस्त्राकर (65 गेंद में नाबाद 56 रन, 32 रन देकर दो विकेट) ने पहले सातवें विकेट के लिये 97 रन की साझेदारी निभाकर टीम को संभाला और नौ विकेट पर 255 रन का स्कोर खड़ा करने में मदद की। गेंदबाजों ने फिर रणनीति का बेहतर ढंग से कार्यान्वयन करते हुए मेजबान टीम को 47.3 ओवर में 216 रन पर समेट दिया। इसमें हरमनप्रीत और वस्त्राकर दोनों ने अहम झटके दिये। इस श्रृंखला में जीत से भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका के खिलाफ लगातार चौथी द्विपक्षीय श्रृंखला अपने नाम की। महिला टीम ने इससे पहले 2013, 2015 और 2018 में भी वनडे श्रृंखला जीती थी। पहले ही श्रृंखला में अजेय बढत बना चुकी हरमनप्रीत की टीम अंतिम मैच में आत्मविश्वास से लबरेज दिखी जिसकी श्रीलंकाई टीम में शुरू से ही कमी दिखायी दी।

श्रीलंका टीम की कप्तान चामरी अटापट्टू ने ऐसी पिच पर टॉस जीतकर बल्लेबाजी का न्योता दिया जो पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को फायदा पहुंचाने के लिये मशहूर है। दूसरे वनडे में शानदार प्रदर्शन करने वाली सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना हालांकि बड़ी साझेदारी करने में विफल रहीं। मंधाना (20 गेंद में छह रन) आउट होने वाली पहली खिलाड़ी रहीं जो कविशा दिलहारी की लेंथ गेंद का शिकार हुई। शेफाली ने 50 गेंद में 49 रन बनाकर अपनी अच्छी फॉर्म जारी रखी।

वह लगातार दूसरे अर्धशतक से चूक गयीं और रश्मि सिल्वा की गेंद पर पगबाधा आउट हुई। शेफाली तीन मैचों में 155 रन बनाकर श्रृंखला की शीर्ष स्कोरर रहीं। अहम मौके पर शेफाली के आउट होने के बाद भारत का मध्यक्रम चरमरा गया जिससे टीम का स्कोर छह विकेट पर 124 रन हो गया। पर हरमनप्रीत ने जिम्मेदारी से खेलते हुए श्रीलंकाई गेंदबाजों की शार्ट गेंदों को बेहतर तरीके से निपटा।

- **भारत ने वनडे सीरीज से पहले टी20 सीरीज भी 2-1 से अपने नाम किया था।**
- **महिला टीम ने इससे पहले 2013, 2015 और 2018 में भी वनडे श्रृंखला जीती थी।**

कॉमनवेल्थ गेम्स 2022: राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय खिलाड़ियों की जर्सी लॉन्च, बर्मिंघम रवाना होंगे 215 खिलाड़ी

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेल 2022 की शुरूआत 28 जुलाई से होनी है। इंग्लैंड के बर्मिंघम में होने वाली इस प्रतियोगिता में भारत के 215 खिलाड़ी शामिल होंगे। इनमें 108 पुरुष और 107 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं, इन खिलाड़ियों की मदद के लिए 81 सहयोगी स्टाफ (कोच, सहायक कोच, फिजियो, मैनेजर) भी बर्मिंघम के लिए रवाना होंगे। इस प्रतियोगिता के लिए भारतीय खिलाड़ियों की जर्सी जारी हो चुकी है।

नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय खिलाड़ियों की जर्सी लॉन्च की गई। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर भी इस कार्यक्रम का हिस्सा बने और खिलाड़ियों की जर्सी का अनावरण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि वो बहुत खुश हैं कि इस बार महिला और पुरुष खिलाड़ी बराबर संख्या में कॉमनवेल्थ गेम्स का हिस्सा बनेंगे। हालांकि, अधिकतर खेलों में अभी भी महिला खिलाड़ियों की संख्या कम है, लेकिन महिला क्रिकेट टीम को मौका मिलने की वजह से महिला खिलाड़ियों की संख्या पुरुषों के बराबर हो गई है।

महिला क्रिकेट पहली बार कॉमनवेल्थ गेम्स का हिस्सा बना है। वहीं, पुरुषों क्रिकेट अभी भी कॉमनवेल्थ गेम्स में शामिल नहीं किया गया है। इस बार कॉमनवेल्थ गेम्स 28 जुलाई से शुरू होकर आठ अगस्त तक चलेंगे।

इंग्लैंड के बर्मिंघम में इन 12 दिनों तक काफी चहल-पहल रहेगी। इसमें ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका सहित कई बड़े देश शामिल होंगे। भारत में अब तक कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन सिर्फ एक बार किया गया है।

व्यापार स्टार

घटेंगी खाने के तेल की कीमतें: सरकार ने कंपनियों से दाम 10 रुपए कम करने को कहा, सोयाबीन भी 750 रुपए कम हो सकती हैं

नई दिल्ली | एजेंसी

आने वाले दिनों में खाने की तेल की कीमतों में गिरावट आ सकती है। इसका कारण केंद्र सरकार की ओर से तेल कंपनियों को दाम करने के दिए गए निर्देश है। इसके अलावा सोयाबीन की कीमतों में भी गिरावट की संभावना है। सोयाबीन मौजूदा भाव 6,250 रुपए से 750 रुपए लुढ़ककर 5,500 रुपए प्रति क्विंटल तक आ सकती है। ओरिगो कमोडिटीज के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट राजीव यादव के मुताबिक प्रमुख सोयाबीन उत्पादक राज्यों में बारिश की वजह से सोयाबीन की कीमतों में गिरावट है।

तेल की कीमतों में आएगी गिरावट

केंद्र ने बुधवार को खाने के तेल की कंपनियों से इंपोर्टेड पाम, सूरजमुखी और सोयाबीन तेल के अधिकतम खुदरा मूल्य को तुरंत 10-12 रुपए प्रति लीटर तक कम करने को कहा है। सरकार ने कंपनियों से कहा कि

अंतरराष्ट्रीय कीमतों में हालिया कमी को देखते हुए कीमतों में बदलाव एक हफ्ते के भीतर दिखना शुरू हो जाना चाहिए। पिछले एक महीने में मूंगफली और वनस्पति को छोड़कर सभी प्रमुख खाने के तेलों की कीमतों में गिरावट आई है। बीते दिनों वित्त मंत्रालय ने भी नोटिफिकेशन जारी किया था जिसमें कहा गया था कि सालाना 20 लाख टन कच्चे सोयाबीन और सूरजमुखी तेल पर वित्त वर्ष 2022-23 और 2023-24 में आयात शुल्क नहीं लगाया जाएगा। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर बी वी मेहता ने कहा, हमने पहले ही ब्रांडों के आधार पर खुदरा कीमतों में 10-20 रुपए प्रति लीटर की कमी कर दी है। हम उन्हें 10-15 रुपये प्रति लीटर और कम कर देंगे, लेकिन यह रातोंरात नहीं हो सकता, क्योंकि कार्गो एडवांस में बुक किए जाते हैं और प्राइस ट्रांसफर में टाइम लगता है।

विदेशी बाजार में बीते एक हफ्ते में क्रूड पाम ऑयल में तकरीबन 28% की गिरावट आ चुकी है और भाव फिलहाल 1 साल के निचले स्तर पर है। क्रूड सोयाबीन ऑयल और सूरजमुखी ऑयल पर आयात शुल्क को खत्म करने, इंडोनेशिया और मलेशिया से सीपीओ और पामोलीन की ज्यादा सप्लाई की उम्मीद, मिलर्स और स्टॉकिस्ट की ओर से सोयाबीन और सरसों की कमजोर मांग और सूरजमुखी ऑयल के आयात में बढ़ोतरी सोयाबीन की कीमतों में गिरावट के प्रमुख कारण के तौर पर निकलकर सामने आए हैं।

सोने में 436 रुपये की गिरावट, चांदी 233 रुपये मजबूत

नयी दिल्ली। दिल्ली सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोने का भाव 436 रुपये की गिरावट के साथ 50,551 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 50,987 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, चांदी की कीमत 233 रुपये की तेजी के साथ 56,750 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई।

पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 56,517 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना तेजी के साथ 1,743 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था जबकि चांदी 19.36 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, न्यूयॉर्क स्थित जिस एक्सचेंज कॉमेक्स में सोने की हाजिर कीमत 0.26 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,743 डॉलर प्रति औंस पर थी।

बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी, सेंसेक्स 427 अंक चढ़ा

निफ्टी 16,000 अंक के पार

मुंबई | एजेंसी

वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को लगातार दूसरे दिन लाभ में रहा और बीएसई सेंसेक्स 427 अंक से अधिक की तेजी के साथ बंद हुआ। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 427.49 अंक यानी 0.80 प्रतिशत की बढत के साथ 54,178.46 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 503.80 अंक तक चढा था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 143.10 अंक यानी 0.89 प्रतिशत चढकर 16,132.90 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में टाइटन, टाटा स्टील, लार्सन एंड टुब्रो, इंडसइंड बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में डॉ. रेड्डीज लैब, नेस्ले, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, हिदुस्तान यूनिलीवर और बजाज फाइनेंस शामिल हैं। एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी शुरुआती कारोबार में तेजी का रुख था।

महिला विधायक की शर्मनाक हरकत, बिकिनी में अश्लील हरकतें करती नजर आई तो लोगों ने जमकर लगाई क्लास

आइलैंड । सोशल मीडिया पर एक महिला विधायक की शर्मनाक हरकत लोगों को रास नहीं आ रही जिस वजह से वह अब ट्रोल हो रही है। दरअसल, एक महिला विधायक ने अपने क्षेत्र के लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचने के लिए एक वीडियो बनाया जिसमें

वह बिकिनी में अश्लील हरकतें करती नजर आती हैं। लेकिन लोगों का ध्यान अपनी ओर अकर्षित करना तो दूर वह लोगों के गुस्से का शिकार हो गई। दरअसल, महिला विधायक टियारा मैक, अमेरिका के रोड आइलैंड के डिस्ट्रिक्ट 6 का प्रतिनिधित्व करती हैं। उन्होंने हाल ही में टिकटॉक पर अपना एक वीडियो शेयर किया जिसमें वह बिकिनी में नजर आती हैं और सिर के बल खड़े होकर डांस करती दिखती हैं। वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा- ब्लॉक आइलैंड पर लोगों का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश करती एक होनहार सेनेटर।

वहीं वीडियो वायरल होते ही आइलैंड स्टेट सेनेटर टियारा मैक की खूब आलोचना हो रही है। अलोचनाओं की शिकार हुई महिला विधायक के इस वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट कर लिखा कि इस पोस्ट के बाद मैं आपकी यह शिकायत बिल्कुल भी सुनना नहीं चाहता हूं कि 'इस देश में महिलाओं की इज्जत नहीं की जाती है'। ब्रिटिश PM बोरिस जॉनसन कजवाब में महिला विधायक ने कहा- हनी बेबी. ऐसा नहीं है. क्योंकि मेरे पास I14 लीग की डिग्री है और मैं स्टेट सिनेटर के पद पर बैठी हूं. मेरे पहनावे से इसका कोई लेना देना नहीं है। बता दें कि रोड आइलैंड सीनेट के लिए टियारा मैक को 60 फीसदी वोट मिले थे और उन्होंने 5 जनवरी 2021 को यह पदभार संभाला था।

चीन को कड़ा संदेश देने की तैयारी में भारत, लद्दाख में हो सकती है जी-20 की बैठक

बीजिंग। चीन के ऐतराज को दरकिनार करते हुए भारत अगले साल न सिर्फ जम्मू-कश्मीर बल्कि लद्दाख में भी जी-20 की बैठकें कर सकता है। इसे भारत की तरफ से चीन को सख्त और दो टूक संदेश के तौर पर देखा जा सकता है। भारत इस साल 1 दिसम्बर को जी-20 की अध्यक्षता संभालेगा। उसने 2023 में जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के लिए जम्मू-कश्मीर के नाम का प्रस्ताव दिया है। शिखर सम्मेलन से पहले भी जी-20 की कई बैठकें होंगी। भारत ने वेन्यू के तौर पर लद्दाख के नाम का भी प्रस्ताव दिया है। लद्दाख में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर भारत और चीन की

सेनाओं के बीच पिछले करीब दो सालों से तनाव का माहौल है। कुछ जगहों पर दोनों देशों की सेनाएं पीछे हटी हैं, लेकिन गतिरोध अभी बरकरार है। रिपोर्ट के मुताबिक, लद्दाख प्रशासन ने जी-20 मीटिंग को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। एल.जी.आर.के. मतुआ ने बैठक को लेकर एक सीनियर आई.ए.एस. अफसर और एक आई.पी.एस. अफसर को विदेश मंत्रालय के साथ समन्वय के लिए नोडल-ऑफिसर नियुक्त किया है।

अमेरिका के डेट्रॉयट में गोलीबारी, एक पुलिसकर्मी और एक संदिग्ध की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के डेट्रॉयट में एक पुलिस अधिकारी और एक बंदूकधारी व्यक्ति की गोली लगने से मौत हो गई। डेट्रॉयट के पुलिस प्रमुख जेम्स वाइट ने यह जानकारी दी। वाइट ने कहा कि पुलिस अधिकारी और उनके सहकर्मी को बुधवार शाम को सूचना मिली कि एक व्यक्ति गोली चला रहा है। इसके बाद वे मौके पर पहुंचे जहां संदिग्ध एक आधुनिक हथियार से उनकी दिशा में गोलीबारी कर रहा था। वाइट ने कहा कि एक अधिकारी को गोली लगी और उनके सहकर्मी ने संदिग्ध पर गोली चलाई जिससे उसकी मौत हो गई। घायल अधिकारी की अस्पताल में मौत हो गई। मृत अधिकारी की तत्काल पहचान नहीं हो पाई है लेकिन वाइट ने कहा कि वह पांच साल से विभाग में काम कर रहा था। मामले की जांच जारी है।

ब्रिटिश पीएम बोरिस जॉनसन इस्तीफा देंगे:50 मंत्रियों-सांसदों के इस्तीफे के बाद लिया फैसला, पद छोड़ने से पहले देश को संबोधित करेंगे

बीजिंगः ब्रिटेन में मचे सियासी उठापटक के बीच प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन इस्तीफा देंगे। पिछले 48 घंटे में उनके 50 से ज्यादा मंत्री और सांसद इस्तीफा दे चुके हैं। सरकार के खिलाफ अविश्वास इस कदर बढ़ता जा रहा है कि 36 घंटे पहले ही मंत्री बनाए गए मिशेल डोनेलन ने भी इस्तीफा दे दिया।

बुधवार शाम तक कैबिनेट के 17 मंत्रियों, 12 संसदीय सचिवों और विदेशों में नियुक्त सरकार के 4 प्रतिनिधियों ने रिजाइन कर दिया था। जॉनसन के मंत्री और सांसद लगातार उनके काम करने के तरीकों पर सवाल उठा रहे थे।

यौन शोषण के आरोपी की नियुक्ति से विवाद बढ़ा

लॉकडाउन के दौरान जॉनसन की शराब पार्टी और यौन शोषण के आरोपी सांसद क्रिस पिंचर को डिप्टी चीफ व्हिप नियुक्त करने को लेकर भी काफी विवाद हुआ था। इस वजह से उनके खिलाफ और ज्यादा असंतोष बढ़ गया था।

हालांकि विवाद बढ़ता देख जॉनसन ने मंगलवार को माना कि

पिंचर को सरकार में शामिल करने का उनका फैसला गलत था। इसके लिए उन्होंने माफी भी मांगी। पीएम के माफी मांगने के कुछ मिनट के बाद ही दोनों मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया।

पीएम पद के दावेदार ऋषि सुनक की पत्नी अक्षता भी हुई एक्टिव- नए पीएम की रेस में पूर्व वित्त मंत्री ऋषि सुनक और फॉरेन कॉमन वेल्थ एंड डेवलपमेंट अफेयर्स सेक्रेटरी लिज ट्रस आगे हैं। कोरोना राहत पैकेज के कारण सुनक खासे लोकप्रिय हैं। पीएम पद की दावेदारी में आगे चल रहे ऋषि सुनाक के घर पर खासी गहमा गहमी रही। ऋषि की पत्नी अक्षता मूर्ति भी एक्टिव हो गई हैं। अक्षता इंफोसिस के को-फाउंडर नारायण मूर्ति की बेटी हैं।

अक्षता का यूं खुद पत्रकारों के लिए ट्रे में चाय लेकर आना ब्रिटिश प्रेस में चर्चाओं का कारण बन रहा है। पीएम पद के दावेदारों में वर्तमान वित्त मंत्री नदीम जहावी और पूर्व विदेश मंत्री जेरेमी हंट भी दौड़ में हैं। माना जा रहा है कि पूर्व रक्षा मंत्री पैनी मॉरडॉट भी अपनी दावेदारी जता सकती हैं। बोरिस जॉनसन के खिलाफ पिछले काफी समय से पैनी मुखर रही हैं।

बाली में मिले भारत-चीन के विदेश मंत्री, लद्दाख गतिरोध और विद्यार्थियों की वापसी पर हुई बात

बाली। भारत और चीन के बीच कई मसलों पर जारी गतिरोध के बीच विदेश मंत्री जयशंकर ने इंडोनेशिया के बाली में चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। जयशंकर ने उनके साथ बातचीत में सीमा के हालात, चीन में भारतीय विद्यार्थियों और उड़ानों पर पाबंदियों को लेकर बातचीत की। जयशंकर व यी की यह मुलाकात जी-20 देशों के विदेश मंत्रियों की बाली में आयोजित बैठक के मौके पर हुई। जयशंकर ने ट्वीट कर बताया, 'बाली में आज मैंने दिन की शुरुआत चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलकात के साथ की। करीब एक घंटे चर्चा चली। इसमें सीमा के हालात समेत सभी लंबित मुद्दों पर चर्चा हुई। मैंने अन्य मसलों के अलावा विद्यार्थियों और उड़ानों के मसले को भी उठाया। अंतरराष्ट्रीय हालात और जी-20 बैठक पर उसके प्रभाव की भी चर्चा की।' इस साल मई में भारत और चीन ने सीमा पर तनाव को लेकर बातचीत की थी। उन्होंने जल्द से जल्द वरिष्ठ कमांडरों की बैठक के अगले दौर को आयोजित करने

का फैसला किया।

सैन्य कमांडरों की अगली बैठक जल्द

इधर, दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि जयशंकर ने चीन विदेश मंत्री यी से चर्चा में कहा कि भारत और चीन के संबंध आपसी सम्मान, परस्पर संवेदनशीलता और एक दूसरे के हितों को ध्यान में रखने पर बेहतर ढंग से आगे बढ़ सकते हैं। जयशंकर और वांग ने जल्द ही वरिष्ठ सैन्य कमांडरों की अगली बैठक होने की उम्मीद जताई।

सैन्य व राजनयिक संपर्क सतत बनाए रखने पर सहमति

जयशंकर और वांग यी ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि सैन्य तथा राजनयिक अधिकारियों के बीच नियमित रूप से बातचीत जारी रहनी चाहिए। जयशंकर ने पिछली वार्ता में हुए द्विपक्षीय समझौतों और उस दौरान बनी सहमति पर आगे बढ़ने के महत्व को दोहराया।

विदेश मंत्री ने पूर्वी लद्दाख के क्षेत्रों से सैनिकों की वापसी की रफ्तार बनाए रखने पर एक बार फिर जोर दिया। विदेश मंत्री जयशंकर ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलओसी) से जुड़े सभी अहम मुद्दों के जल्द समाधान का आह्वान किया। अप्रैल-मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर गतिरोध शुरू होने के बाद जयशंकर और वांग के बीच यह चौथी बैठक है। विदेश मंत्री जयशंकर जी-20 विदेश मंत्रियों की बाली में आयोजित बैठक में भाग लेने इंडोनेशिया में हैं।

ओमिक्रॉन के नए स्वरूप बीए.2.75 पर डब्ल्यूएचओ ने किया सतर्क, दो हफ्ते में 30 फीसदी केस बढ़े

संयुक्त राष्ट्र। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत व कुछ अन्य देशों में कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट के नए उप स्वरूप बीए.2.75 मिलने की पुष्टि करने के साथ ही सतर्क किया है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अधनोम घेब्रेसियस ने कहा कि भारत और संगठन के अन्य सदस्य देशों में कोरोना वायरस के इस नए रूप का पता चला है।

घेब्रेसियस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पिछले दो सप्ताह में दुनियाभर में कोरोना के नए मामलों में करीब 30 फीसदी की वृद्धि हुई है। डब्ल्यूएचओ के छह उप-क्षेत्रों में से चार में पिछले सप्ताह वृद्धि देखी गई। यूरोप और अमेरिका में ओमिक्रॉन के BA.4 और BA.5 के कारण कोरोना लहर चल रही है। इसी बीच, भारत जैसे देशों में BA.2.75 नामक एक नए सब स्ट्रैन का का पता चला है। इस पर नजर रखी जा रही है।

10 देशों में मिला नया स्वरूप : सौम्या स्वामीनाथन

BA.2.75 का पता चलने पर

डब्ल्यूएचओ की मुख्य वैज्ञानिक सौम्या स्वामीनाथन ने ट्विटर पर एक वीडियो पोस्ट कर कहा कि एक नया उप स्वरूप मिला है। इसे BA.2.75 कहा जा रहा है। यह सबसे पहले भारत से रिपोर्ट किया गया था और फिर 10 अन्य देशों से। इस उपस्वरूप के विश्लेषण के लिए अभी कुछ ही अनुक्रमण मिले हैं, लेकिन इसके स्पाइक प्रोटीन में कुछेक बदलाव नजर आए हैं। इसलिए इसके बारे में अभी कुछ ज्यादा कहना जल्दबाजी होगी।

चिंताजनक स्वरूप घोषित करने पर अभी फैसला नहीं

स्वामीनाथन ने कहा कि यह प्रतिरक्षा तंत्र को भेद सकता है या इलाज की दृष्टि से बहुत जटिल, यह भी कहना अभी मुश्किल है। इसलिए हमें इंतजार करना होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन और सार्स कोव-2 वायरस के लिए गठित उसका तकनीकी सलाहकार समूह

घेब्रेसियस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पिछले दो सप्ताह में दुनियाभर में कोरोना के नए मामलों में करीब 30 फीसदी की वृद्धि हुई है।

इस पर लगातार नजर रखे हुए है। वह दुनियाभर के आंकड़ों को देख रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी वक्त यदि कोई ऐसा वायरस सामने आता है, जो पिछले स्वरूप से अलग दिखता है और ऐसे सबूत मिलते हैं कि इसे चिंताजनक स्वरूप कहा जा सकता है, तो यह किया जाएगा।

अफगानिस्तान पर सख्त हुए बाइडन, छीना गैर-नाटो सहयोगी का दर्जा

वाशिंगटन। अफगानिस्तान से सैन्य वापसी और वहां तालिबान शासन के बाद अमेरिका ने पूरी तरह से इस देश से पीछा छुटाने का निर्णय लिया है। अब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अफगानिस्तान के एक 'प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी' का दर्जा रद्द करने की घोषणा की।

राष्ट्रपति बाइडन ने पत्र में कहा, '1961 के विदेशी सहायता अधिनियम की धारा 517 के अनुसार, संशोधित (22 यूएससी 2321द्म) के अनुसार, मैं एक प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी के रूप में अफगानिस्तान के पदनाम को रद्द करने की घोषणा करता हूं। दरअसल, जुलाई 2012 में संयुक्त राज्य अमेरिका ने अफगानिस्तान को एक प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी के रूप में नामित किया था। दरअसल, अमेरिका ने पिछले साल अफगानिस्तान से अपनी सेना वापस बुलाने की घोषणा कर दी थी। इसी के बाद तालिबान ने अफगानिस्तान पर हमले शुरू कर दिए। 15 अगस्त, 2021 को तालिबान लड़ाके अफगानिस्तान में घुस गए और सितंबर में तालिबान ने अफगानिस्तान में पूर्ण जीत की घोषणा कर दी। इसके बाद एक अंतरिम सरकार का गठन किया गया। हालांकि, अभी तक किसी भी देश द्वारा आधिकारिक रूप से इस सरकार को मान्यता नहीं मिली है। तालिबान ने अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज होते ही घोषणा की थी कि यह नया तालिबान है। हालांकि, अंतरिम सरकार के गठन के बाद तालिबान फिर से उसी पुराने अंदाज में आ गया और इस्लाम का हवाला देकर महिलाओं पर सख्त नियम लागू कर दिए। ह्यूमन राइट्स वॉच के अनुसार, तालिबान ने सभी महिलाओं को सिविल सेवा में नेतृत्व के पदों से बर्खास्त कर दिया और अधिकांश प्रांतों में लड़कियों को माध्यमिक विद्यालय में जाने से रोक दिया। तालिबान का फरमान महिलाओं को तब तक यात्रा करने से रोकता है जब तक कि एक पुरुष रिश्तेदार के साथ न हो। इसके अलावा महिलाओं के चेहरों को सार्वजनिक रूप से ढकने का आदेश भी पारित कर दिया।

बिलावल ने ब्लिंकन से पाक-अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती को लेकर की बात

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी और अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार कर द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने की परस्पर इच्छा दोहरायी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि बिलावल ने अपने अमेरिकी समकक्ष का फोन आने पर उनसे कहा कि वह 'बार बार उच्च स्तरीय यात्राओं के प्रति आशान्वित हैं। उन्होंने ब्लिंकन से पाकिस्तानी

नागरिकों को वीजा जारी करने को आसान बनाने का अनुरोध किया। बयान के अनुसार दोनों नेताओं ने अफगानिस्तान के ' मानवीय संकट से निपटने के लिए अंतरिम अफगान सरकार के साथ निरंतर संवाद/सहयोग की जरूरत भी चर्चा की। बिलावल ने ब्लिंकन के साथ अपनी बातचीत के बारे में ट्वीट किया।

ईरान ने जासूसी के आरोप में ब्रिटिश उपराजदूत किया गिरफ्तार

तेहरानः ईरान में ब्रिटिश मिशन के उपप्रमुख जाइल्स व्हिटेकर और कई अन्य लोगों जासूसी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स ने मिसाइल अभ्यास के दौरान प्रतिबंधित क्षेत्र में जासूसी करने और मिट्टी के नमूने लेने के दावे पर इन राजनयिकों को हिरासत में लिया है। द्धत्रन्नष्ट ने वीडियो फुटेज जारी करते हुए दावा किया कि व्हिटेकर को उस जगह के पास देखा गया है, जहां ईरानी सेना मिसाइल अभ्यास कर रही थी।

द यरूसलम पोस्ट के अनुसार उपराजदूत ने माफी मांग ली है और उन्हें निष्कासित कर दिया गया है। बताया गया कि हिरासत में लिए गए संदिग्धों में से एक ने विश्वविद्यालय के साथ वैज्ञानिक आदान-प्रदान के

प्रतभागी के तौर पर ईरान में प्रवेश किया था। IRGC ने यह भी दावा किया कि संदिग्ध ने कुछ इलाकों में मिट्टी का नमूना लिया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राजनयिकों का उपयोग अक्सर सैन्य स्थलों की तलाश करने और उपकरण और युद्ध सामग्री की पहचान करने के लिए किया जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक हिरासत में लिए गए राजनयिकों का इस्तेमाल अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी में ईरान की फाइल के सैन्य पहलुओं से संबंधित एक नया मामला बनाने के लिए किया जा रहा था। यह उच्च स्तरीय गिरफ्तारी तब हुई है जब ईरान और विश्व शक्तियों के बीच जेसीपीओए परमाणु समझौते पर वापस लौटने का प्रयास थमा हुआ है। ईरान ने जुलाई 2015 में देश पर लगे प्रतिबंधों को हटाने के बदले में अपने परमाणु कार्यक्रम पर अंकुश लगाने पर सहमत होते हुए विश्व शक्तियों के साथ जेसीपीओए पर हस्ताक्षर किए थे।

संकटग्रस्त श्रीलंका की नजर अब भारतीय पर्यटकों पर, टूरिज्म बढ़ाने के लिए बनाया ये प्लान

तेहरानः संकटग्रस्त श्रीलंका ने आर्थिक मंदहाली से निकलने के लिए अब भारतीय पर्यटकों को लुभाने का प्लान बनाया है। श्रीलंका के पर्यटन मंत्री ने बुधवार को कहा कि संकटग्रस्त द्वीप में अधिक विदेशी मुद्रा लाने के लिए श्रीलंका अपने दुनिया के दूसरे सबसे अधिक आबादी वाले उत्तरी पड़ोसी भारत से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए पांच प्रमुख भारतीय शहरों में रोड शो आयोजित करेगा। अपनी रोलिंग पहाड़ियों, प्राचीन समुद्र तटों और शांत समुद्र तटीय शहरों के लिए जाना जाता श्रीलंका सात दशकों में अपने सबसे खराब वित्तीय संकट से जूझ रहा है। देश के हालात आर्थिक कुप्रबंधन और कोविड-19 महामारी से अधिक ख़राब हो गए और इसी कारण देश से आकर्षक पर्यटन उद्योग का

सफाया हो गया है।

22 मिलियन लोगों का देश श्रीलंका अब आवश्यक वस्तुओं का आयात करने के लिए पर्याप्त विदेशी मुद्रा के का आभाव से जूझ रहा है । आर्थिक तंगी के चलते ही देश में दवा, भोजन और ईंधन की कमी हो गई है। खास बात यह है कि राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद श्रीलंका ने इस साल के पहले पांच महीनों में 61,951 भारतीय पर्यटकों की लगातार भीड़ देखी हैजो किसी भी विदेशी देश से सबसे अधिक है। यही वजह कि श्रीलंकन सरकार ने अब अपनी कंगाली दूर करने के लिए अधिक भारतीयों को आकर्षित करने की योजना बनाई है।पर्यटन मंत्री हरिन फर्नांडो ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'श्रीलंका को इस संकट से उभरने के लिए पर्यटन राजस्व बड़ा सहायक साबित हो सकता है। फर्नांडो ने कहा कि इसके लिए श्रीलंका का पर्यटन मंत्रालय पांच प्रमुख भारतीय शहरों में रोड शो आयोजित करेगा, जिसमें डेस्टीनेशन वेडिंग के अलावा व्यापार और घूमने के इच्छुक यात्रियों को आकर्षित करने की मांग की जाएगी। उन्होंने कहा, 'भारत हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण बाजार है।' फर्नांडो ने कहा कि पिछले साल 200,000 की तुलना में देश इश साल लगभग दस लाख पर्यटकों के आने की उम्मीद करता है। हालांकि ब्रिटेन सहित कुछ देशों ने नागरिकों को केवल श्रीलंका की आवश्यक यात्रा करने के लिए सलाह जारी की है। फर्नांडो ने कहा, 'हमें विश्वास है कि सर्दी का मौसम अच्छा रहेगा। बता दें कि आर्थिक मंदहाली के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे श्रीलंका में ईंधन की कमी के कारण देश भर में सरकारी स्कूल व दफ्तर बंद कर दिए गए हैं और कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए कहा गया है। देश अगस्त में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष को अपनी ऋण पुनर्गठन योजना पेश करेगा, जो अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए संभावित .3 बिलियन के कार्यक्रम को हासिल करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

तालिबान के सर्वोच्च नेता ने कहा- किसी हमले के लिए अफगानिस्तान की धरती का नहीं किया जाएगा इस्तेमाल

काबुलः तालिबान का सर्वोच्च नेता मुल्ला हैबातुल्ला अखुंदजादा ने कहा कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल अन्य देशों पर हमले के लिए नहीं किया जाएगा। साथ ही, उसने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अफगानिस्तान के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करने की अपील की।

अफगानिस्तान का इस्तेमाल अन्य देशों पर हमले करने के लिए नहीं किया जाएगा

तालिबान ने कहा कि वह 2020 में अमेरिका के साथ हस्ताक्षर किए गए एक समझौते का पालन कर रहा है, जिसमें उन्होंने आतंकवादियों से लड़ने का वादा किया था। पिछले साल अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद से तालिबान ने बार-बार कहा है कि अफगानिस्तान का इस्तेमाल अन्य देशों पर हमले करने के लिए नहीं किया जाएगा।

अखुंदजादा ने ईद उल अजहा की छुट्टियों से पहले अपने संबोधन में कहा कि हम अपने पड़ोसियों, क्षेत्र और विश्व को आश्वस्त करते हैं कि हम अपनी धरती का इस्तेमाल किसी अन्य देश की सुरक्षा को खतरा डालने के लिए नहीं करने देंगे।

तालिबान के आध्यात्मिक गुरु अखुंदजादा ने ईद उल अजहा पर अपने संदेश में कहा कि परस्पर संपर्क और प्रतिबद्धता के ढांचे के तहत हम अमेरिका समेत विश्व के साथ अच्छा, राजनयिक, आर्थिक और राजनीतिक संबंध चाहते हैं तथा हमारा मानना है कि यह सभी पक्षों के हित में है।

तालिबान शासन के लिए समर्थन मांगा

उल्लेखनीय है कि काबुल में उलेमा और कबायली सरदारों की तीन दिवसीय सभा बीते शनिवार को संपन्न हुई जिसमें तालिबान शासन के लिए समर्थन मांगा गया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से देश की तालिबान नीत सरकार को मान्यता देने की अपील की गई।